बिहार सरकार

Annual Report

वार्षिक प्रतिवेदन

2022-23

बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद्

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

Calotes

Black Buck (Milvus Migroans

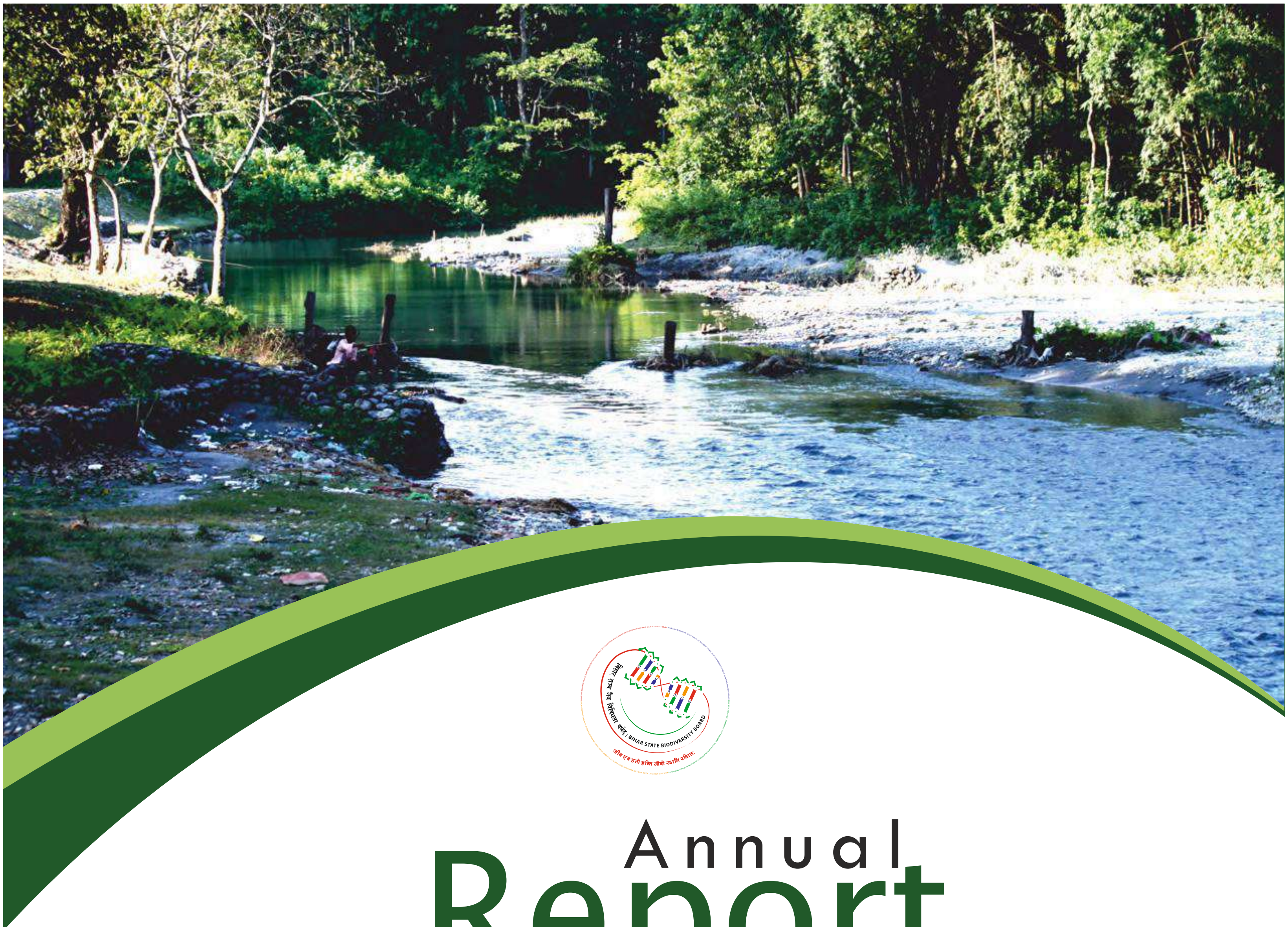

Annual Report

वार्षिक प्रतिवेदन

2022-23

बिहार सरकार

बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद्

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

www.bsbb.bihar.gov.in

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	विषय	पृष्ट संख्या
1.	जैव विविधता : प्रस्तावना	01
2.	जैव विविधता ह्रास की आर्थिक लागत (Economic costs of biodiversity loss)	02
3.	जैव विविधता की संकल्पना (Concept of Biological Diversity)	03
4.	जैव विविधता के प्रकार	04
5.	जैव विविधता अधिनियम-2002 (Biological Diversity Act, 2002)	07
6.	जैव विविधता अधिनियम, 2002 की मुख्य विशेषताएँ	08
7.	अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2022	12
8.	जैव विविधता प्रबंधन समिति का गठन।	15
9.	बी.एम.सी.- वेवसाईट निर्माण	31
10.	जन जैव विविधता पंजी का उन्नयन तथा पंचायत, प्रखण्ड एवं जिला स्तरीय जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण।	39
11.	जन जैव विविधता पंजी का डिजिटाईजेशन जिला, प्रखण्ड, पंचायत ।	47
12.	बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् का वेवसाईट निर्माण	51
13.	उच्च रेज़लूशन इमेज द्वारा नालन्दा जिलें के प्रकतिक वनों तथा उसके बाहर के क्षेत्रों में हरित आवरण का आकलन।	52
14.	बिहार में विरासत वृक्षों का सर्वेक्षण एवं संरक्षण।	55
15.	बिहार में देशज बीजू आम की जैविक विविधता का विस्तार, संरक्षण की आवश्यकता तथा जैव विविधता ह्रास का निदान।	61
16.	वृक्षो को मित्र बनायें योजना का कार्यान्वयन।	62
17.	जैव विविधता महत्व के पौधों का रोपण।	65
18.	बिहार राज्य जैव विविधता कार्य योजना का निर्माण।	74
19.	बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् का आंतरिक अंकेक्षण प्रतिवेदन (2021-22)।	75

जैव विविधता : प्रस्तावना

पृथ्वी के जैविक संसाधन मानवता के, आर्थिक, सामाजिक तथा वैज्ञानिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। जैविक विविधता वर्त्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए वैश्विक (Global) संपत्ति है। प्रजातियों और पारिस्थितिक तंत्र के लिए खतरा इतना बड़ा कभी नहीं रहा जितना आज है। मानव गतिविधियों के कारण प्रजातियों का विलुप्त होना खतरनाक दर से जारी है।

जैव विविधता विभिन्न प्रकार के पौधों तथा जानवरों के पारिस्थिकी तथा आनुवंशिकी महत्व को संदर्भित करती है, जो विश्व में या एक विशिष्ट आवास में रहते हैं। जैव विविधता को आम–तौर पर छत्र शब्द माना जाता है, जिसमें सभी जीवित जीव जन्तु आते है विशेषतः उनकी संख्या, विविधता तथा परिवर्तनशीलता। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के अनुसार जैव विविधता विशिष्ट अनुवांशिक प्रजाति तथा पारिस्थितिकी तन्त्र के स्तर का मापक है। प्राकृतिक परिवेश को सामंजस्यपूर्ण स्थिति में रहने के लिए उच्च स्तर की जैव विविधता का होना आवश्यक है। यह मनुष्यों को उनकी बुनियादी जरूरतों–जैसे भोजन, आश्रय, दवाईयों आदि प्रदान करके उनके अस्तित्व को बनाए रखने में सक्षम बनाता है।

जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप विश्व की प्रजातियाँ तेजी से विलुप्त होती जा रही है। पर्यावरण वैज्ञानिको के आकलन के अनुसार 2050 तक 30% प्रजातियाँ विलुप्त हो जायेंगी। एक अन्य अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष 1,40,000 प्रजातियाँ विलुप्त हो रही है। National Academy of Science (USA) में प्रकाशित *Gerardo Ceballos et. al.* के शोध पत्र में वर्त्तमान समय को **"Sixth Mass Extinction"** की संज्ञा दी है। पूर्व में भी बड़ी संख्या में प्रजातियाँ विलुप्त हुयी है, किन्तु वर्त्तमान यह मानव जनित है तथा विलुप्त होने की अवधि अत्यन्त कम है। इस प्रकार के जैव विविधता में ह्रास होने से अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो रही है तथा भविष्य में इनकी गंभीरता इतनी बढ़ जायेगी कि उसे पुनः वर्त्तमान स्वरूप में लाना संभव नहीं हो जायेगा।

पारिस्थितिकी तन्त्र में जितनी अधिक प्रजातियाँ होगी वह उतना अधिक स्थिर होगा तथा उसमें जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावो को कम करने की क्षमता होगी। जैव विविधता के ह्रास के फलस्वरूप हमारी परिस्थितिकी तंत्र सेवाओं (Ecosystem Services) जैसे परागण, जल तथा मृदा संरक्षण आदि में कमी आयेगी।

खाद्य सुरक्षा (Food Security) में कमी

जैव विविधता में कमी केवल वनों के विनाश तथा शिकार से ही नहीं होती है। नयी–नयी प्रजातियाँ पारिस्थिकी तन्त्र में देशज (Native) प्रजातियाँ के लिए खतरा बन जाती है। कालान्तर में देशज प्रजातियाँ विलुप्त हो जाती है तथा नयी प्रजातियाँ की बिमारियों, सूखा तथा जलवायु परिवर्तन जनित संवेदन शीलता बढ़ जाती है।

मानव में बीमारियों का प्रसार

जैव विविधता में ह्रास मानव स्वास्थ्य तथा बीमारियों के प्रसार में भी सहायक है। बीमारियों के प्रसार करने वाले जन्तुओं की संख्या बढ़ जाती है तथा ऐसे जन्तु (Pathogens carriers) Critical तथा Fragmented habitats में बड़ी तेजी से बढ़ते है। इस प्रकार यह मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हो जाते है।

आजीविका का नुकसान

किसानों तथा कृषि पर आधारित अन्य व्यक्तियों पर जैव विविधता ह्रास का बहुत ही अधिक प्रभाव पड़ता है। पारिस्थिकी तन्त्र के कमजोर होने का सीधा प्रभाव किसानो के उत्पादन तथा उत्पादकता पर पड़ता है तथा उससे निजात पाने के लिए उत्पादन लागत में वृद्धि करनी होती है।

- जैव विविधता को अनेक प्रकार से परिभाषित किया गया है। Convention on Biological Diversity (CBD) के अनुसार Biodiversity refers to 'The variability among living, *inter alia*, terrestrial, marine and other aquatic system and the ecological complexes of which they are part, this includes diversity within species, between species and of ecosystems."

- Biological Diversity Act 2002 में भी CBD द्वारा दी गयी परिभाषा को ही कुछ परिवर्तन के साथ रखा गया है। "Biological diversity" means the variability among living organisms from all sources and the ecological complexes of which they are part and includes diversity within species or between species and of eco-systems."

- Global Biodiversity Strategy (GBS) द्वारा जैव विविधता को निम्न प्रकार से परिभाषित किया है। " The totality of genes, species and ecosystem in a region."

- Convention on Biological Diversity (CBD) तथा Global Biodiversity Strategy (GBS) द्वारा दी गयी परिभाषाएँ विभिन्न स्तरो के बाहय आपसी संबंध स्पष्ट नहीं करती वस्तुतः जैव विविधताः जीन (Gene level) लेवल के ऊपर स्तर यथा Species तथा Ecosystem लेवल पर परिलिक्षित होती है। कभी–कभी जो Properties ऊपर के स्तर पर होती है वह Gene लेवल पर अदृष्य हो जाती है। अतः पूरी जैव विविधता को Scales of Organisation तथा Levels of Interaction दोनों स्तर (Level) पर समझना होगा।

जैव विविधता के प्रकार

- मुख्यतः जैव विविधता, आनुवांशिकी (Genetic) प्रजातियाँ (Species) एवं पारिस्थितिकी (Ecological) होती है।

- आनुवांशिकी जैव विविधता (Genetic diversity), within species diversity or intra or infra specific diversity के अन्तर्गत आती है। इसका आकलन DNA based marker से किया जाता है।

- प्रजातीय जैव विविधता (Species diversity) जैव विविधता तन्त्र की मुख्य इकाई है। इसके मुख्य सूचकांक–Species Richness, Species Abundance तथा Species evenness, Avalanche Index, Species/Area Relationship है।

- Ecosystem or Ecological diversity का आकलन कठिन होता है, क्योंकि इसमे Biotic तथा Abiotic दोनों अवयव (Component) होते हैं। विभिन्न प्रकार से इन्हें वर्गीकृत किया गया है।

  (i) Biogeographical biomes-14 types, 193 provinces.

  (ii) Hierarchincal levels for characteristic ecosystem: Domain (4), Divisions, Provinces

  (ii) Groups 8, subdivided into 46 ecosystems, 0.5° x 0.5° grid (one grid cell in the equatorial region includes 3000 sq.)km.

  (iv) Life zones -7, 25 Ecosystem types

Red Crested Pochard

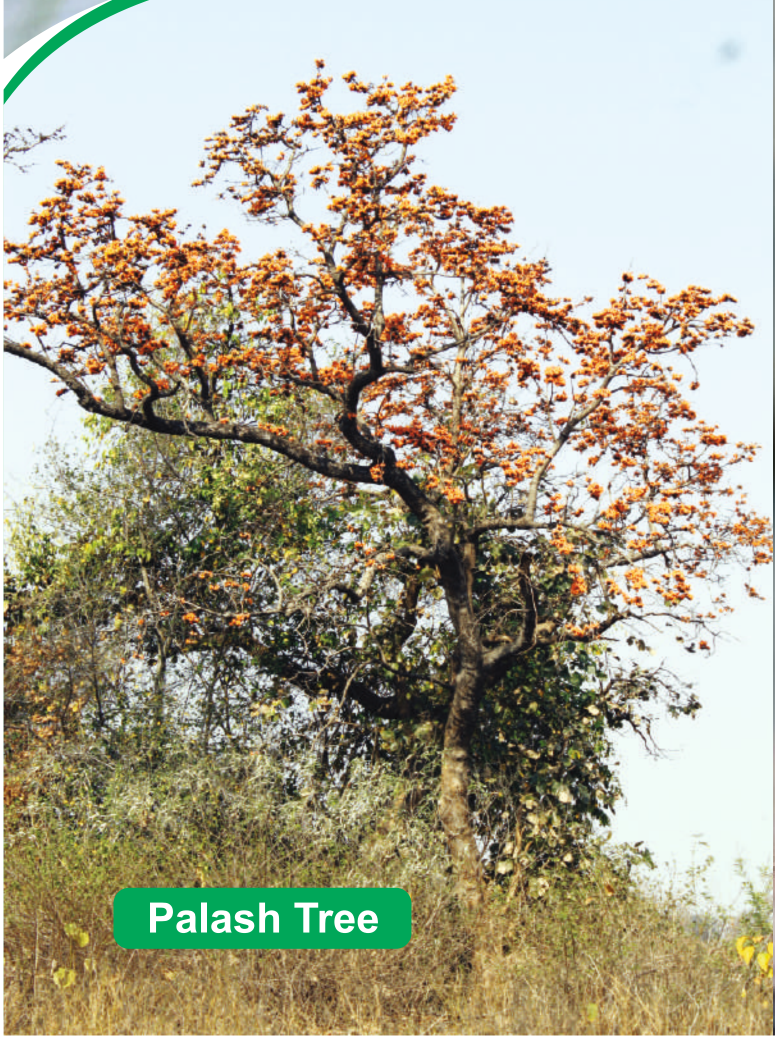

Palash Tree

Elephant Weevel

Palash Flower

Lantana Camara

Chromolaena Odorata

Ipomoea Cairica

संयुक्त राष्ट्र संध द्वारा जैव विविधता सम्मेलन 1992 में लिए गये निर्णय के आलोक में, भारत सरकार द्वारा जैव विविधता अधिनियम–2002 अधिसूचित किया गया एवं इसके कार्यान्वयन के लिए जैव विविधता नियमावली, 2004 अधिसूचित की गयी। इस अधिनियम के अनुच्छेद–63 के उप अनुच्छेद–1 के अनुसार बिहार सरकार द्वारा अधिसूचना सं०–2/वन्यप्राणी–14/16–188 (ई०), प० व०, दिनांक–27.03.2017 द्वारा बिहार जैव विविधता नियमावली, 2017 अधिसूचित की गयी।

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना सं० S.O.-120(ई०), दिनांक–07.01.2009 द्वारा वनों के क्षेत्र पदाधिकारी स्तर तक के पदाधिकारियों को अपने–अपने अधिकारिता क्षेत्र के भीतर जैव विविधता अधिनियम, 2002 के अधीन दण्डणीय अपराधों के संबंध में शिकायतें दर्ज करने हेतु प्राधिकृत किया गया है। (अनुलग्नक–1)

राज्य सरकार की अधिसूचना संख्या पर्या०/वन–07/2007–992 (ई०) दिनांक–28.08.2020 द्वारा राज्य के सभी वन प्रमंडल पदाधिकारियों को जैव विविधता अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन हेतु नाभिक पदाधिकारी घोषित किया गया है। (अनुलग्नक–2)

अधिनियम राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण के पूर्व अनुमोदन के बिना निम्नलिखित गतिविधियों को प्रतिबंधित करता है:

- किसी भी व्यक्ति अथवा संगठन (भारत में स्थित अथवा नहीं) द्वारा शोध या व्यावसायिक उपयोग हेतु भारत में उत्पादित किसी भी जैव संसाधन की प्राप्ति।
- भारत में पाए जाने वाले या भारत से प्राप्त जैव संसाधन से संबंधित किसी भी प्रकार के शोध परिणामों का स्थानांतरण।
- भारत से प्राप्त जैव संसाधनों पर किये गए शोध पर आधारित किसी भी आविष्कार पर बौद्धिक संपदा अधिकारों का दावा।

अधिनियम ने जैव संसाधनों तक पहुँच को विनियमित करने के लिये एक त्रिस्तरीय संरचना की परिकल्पना की:

- राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA)।
- राज्य जैव विविधता बोर्ड (SBB)।
- जैव विविधता प्रबंधन समितियाँ (BMC) (स्थानीय स्तर पर)।

अधिनियम इन प्राधिकरणों हेतु देश के जैव प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित किसी भी अनुसंधान परियोजना को निष्पादित करने के लिये विशेष वित्त एवं एक पृथक बजट का प्रावधान करता है।

- यह जैव संसाधनों के धारणीय उपयोग की निगरानी करेगा तथा वित्तीय निवेश व प्राप्तियों पर नियंत्रण रखेगा तथा पूंजी एवं बिक्री की उचित व्यवस्था करेगा।

जैव विविधता अधिनियम–2002 भारत सरकार के तहत बिहार सरकार ने भी वर्ष 2017 में जैव विविधता अधिनियम 2017 बनाई।

इस अधिनियम के तहत राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA) के परामर्श से केन्द्र सरकार निम्नलिखित उपाय करेगी:

- संकटग्रस्त प्रजातियों के बारे में सूचित करेगी और उनके संग्रहण को प्रतिबंधित या विनियमित करने के साथ ही पुनर्वास को संरक्षित करेगी।
- जैव संसाधनों की विभिन्न श्रेणियों के लिये कोष के रूप में संस्थानों को नामित करेगी।
- अधिनियम के तहत सभी अपराधों को संज्ञेय एवं गैर–जमानती रूप में निर्धारित करना।
- इस अधिनियम के तहत राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण या राज्य जैव विविधता बोर्ड के आदेश अथवा लाभ के बँटवारे के निर्धारण से संबंधित किसी भी शिकायत को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal-NGT) के ले जाया जाएगा।

अधिनियम से छूट

अधिनियम में उन भारतीय जैव संसाधनों को शामिल नहीं किया गया है जिनका सामान्य वस्तुओं के रूप में व्यापार किया जाता है।

- इस प्रकार की छूट केवल तब तक होती है जब तक जैव संसाधनों को वस्तुओं के रूप में उपयोग किया जाता है, किसी अन्य उद्देश्य के लिये नहीं।
- यह अधिनियम भारतीय जैविक संसाधन एवं संबंधित ज्ञान के पारंपरिक उपयोगों को भी शामिल नहीं करता है तथा जब जैव संसाधनों का उपयोग केंद्र सरकार की अनुमति के साथ भारतीय व विदेशी संस्थानों के मध्य सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं में किया जाता है, तो उन्हें भी शामिल नहीं करता है।
- विभिन्न प्रकार के काश्तकारों यथा–किसान, पशुपालन एवं मधुमक्खी पालक तथा पारंपरिक उपचारक, उदाहरण के लिये वैद्य और हकीमों को भी अधिनियम से छूट प्रदान की गई है।

Chinkara

Bachaur Cattle

Red Breasted Flycatcher

Plain Tiger

- अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर चेन्नई में पहली बार बिहार ने लगाये स्टॉल। स्टॉल में बिहार के सभी क्षेत्र की विविधताए प्रदर्शित की गई। बिहार में लगी स्टॉल को केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भुपेन्द्र यादव और केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अंजनी कुमार चौबे सहित अन्य लोगो ने निरीक्षण कर सराहना की है, इसमें बिहार सहित देश के 20 से अधिक राज्य ने स्टॉल लगाया, बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् की तरफ से जैव विविधता प्रबंधन समिति मानी, रोहतास ने स्टॉल लगाया। इसमें बिहार के सभी क्षेत्र की विविधताए प्रदर्शित की गई। बिहार राज्य से जैव विविधता पर्षद् के सचीव के गणेश कुमार, मानी पंचायत जिला शासा राम के जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं प्दजमतद छठ के द्वारा विभिन्न जैव विविधता समग्रीयों जैसे जड़ी बुटी सांस्कृतिक छाया चित्र इत्यादी का स्टॉल लगया गया। जिसके बोर में वहाँ के आगंतुको को बिहार कि विभिन्न जैव विविधता के बारे में विसत्रित जानकारी दी गई।

चेन्नई में आयोजित समारोह का स्थान

बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् के तरफ से प्रतिनिधी बाएं से दाएं :– डॉ0 के0 गणेश कुमार, सचिव, मृत्युंजय मानी, अध्यक्ष, मानी पंचायत रोहताष, उर्पणा चट्र्जी, Intern NBA

माननीय मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव के द्वारा प्रर्दशनी का लोकार्पण

औषधीय जड़ी बूटियाँ

आईबीडी, २०२२, चेन्नई में प्रदर्शित वस्तुएं-
कृषि-जैव विविधता आइटम

कैमूर पहाड़ी का जंगली प्याज, भागलपुर का जर्दालु आम, मधुबनी–सहरसा का मखाना बीज, नवादा–गया का मगही पान, कैमूर के मोकरी गाँव का गोविंद भोग धन (रामलला मंदिर में) अयोध्या में इस चावल को प्रसाद के रूप में बांटा गया है।, सोनाचूर धान सहित कई बीजों का वितरण किया गया है,
भागलपुर का कतरनी धन, चंपारण का मिर्चा धन, चंपारण का आनंदी धन, देसी मूंग का प्रदर्शन किया गया।
कला और सांस्कृतिक आईटम, मधुबनी पेंटिंग, मंजूषा पेंटिंग, सिक्की पेंटिंग, स्ट्रॉ पेंटिंग, सुजनी कला।
पारंपरिक खाद्य पदार्थ,
अडोरी, तिसौरी, चरौरी को भी प्रदर्शित किया गया। मूंज और सिक्की शाखाओं को प्रदर्शित किया गया।
औषधीय जड़ी बूटियाँ।

मूग दाल, धान, मखाना इत्यादि

जरदालु आम, संजीवनी जड़ी बूटी इत्यादि

नये कार्यकाल के लिए जैव विविधता प्रबंधन समिति का निर्माण हेतु प्रचार–प्रसार

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2003 में निर्मित जैव विविधता अधिनियम, 2002 (नियमावली–2004) की धारा–63 के द्वारा प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार द्वारा दिनांक 27.03.2017 को बिहार जैव विविधता नियमावली, 2017 अधिसूचित की गई। नियमावली के नियम–25 में राज्य के प्रत्येक स्थानीय निकाय में जैव विविधता प्रबंधन समितियों के गठन तथा जन जैव विविधता पंजी के निर्माण का प्रावधान किया गया है।

- प्रत्येक स्थानीय निकाय अपनी अधिकारिता के भीतर आने वाले निवासियों को सम्मिलित करते हुए एक जैव विविधता प्रबंधन समिति का गठन करता है, जिसका कार्यकाल स्थानीय निकायों के कार्यकाल के समरूप होता है।
- जैव विविधता प्रबंधन समितियों में एक अध्यक्ष सहित स्थानीय निकायों द्वारा नामित अधिकतम छः व्यक्ति होंगे, जिनमें कम से कम दो महिलाएँ तथा एक सदस्य अनुसूचित जाति/जनजाति का होगा।
- पूर्व में पंचायत स्तर, प्रखण्ड स्तर, जिला स्तर एवं शहरी निकायों के स्तर पर क्रमशः 8386, 534, 38 एवं 143 जैव विविधता प्रबंधन समितियों का गठन किया गया है। वर्ष 2022 में पंचायती संस्थाओं (पंचायत, पंचायत समिति तथा जिला परिषद्) के नये रूप से गठन होने के कारण इनके स्तर पर जैव विविधता प्रबंधन समितियों के गठन की आवश्यकता होगी।

योजना का कार्यान्वयन :

1. वर्त्तमान में पंचायत स्तर पर–8067, प्रखण्ड स्तर–534, जिला स्तर–38 पर नये कार्यकाल के लिए जैव विविधता प्रबंधन समितियों का गठन किया गया है।
2. नये कार्यकाल के लिए जैव विविधता प्रबंधन समितियों के गठन में पंचायती राज विभाग एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का सहयोग लिया गया।

3. पंचायती राज विभाग की पहल पर पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति के प्रमुख तथा जिला परिषद् के अध्यक्ष द्वारा आम सभा आयोजित की गई। इसके लिए पूर्व की भाँति पूरे राज्य में सभी स्तरों पर एक निर्धारित तिथि को एक आम बैठक की गई।

4. जैव विविधता प्रबंधन समिति के गठन की प्रक्रिया के साथ–साथ समाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से जैव विविधता प्रबंधन समितियों (BMCs) के कर्त्तव्य एवं दायित्वों से भी लोगों को अवगत कराया जायेगा। विज्ञापन के माध्यम से समिति के गठन की प्रक्रिया से आम लोगों को पुनः अवगत कराया गया। समिति के गठन की प्रक्रिया/प्रपत्र Booklet के Form में सभी निकायों को सीधे उपलब्ध करायी गई एवं गठन के पश्चात् निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्राप्त की जायेगी।

5. अबतक कुल 8058 ग्राम पंचायतों में से 7658 ग्राम पंचायतों, 533 पंचायत समितियों में से 436 पंचायत समितियों तथा 38 जिला परिषदों में से 33 जिला परिषदो में जैव विविधता प्रबंधन समितियों का गठन कर लिया गया है जो कुल स्थानीय निकायों की संख्या का 90 प्रतिशत है। इस प्रकार कुल 8126 जैव विविधता समिति का गठन किया जा चुका है। बिहार राज्य ने यह कार्य पहलीबार Online माध्यम से किया है। यह कार्य लगभग तीन (3) माह के भितर ही तैयार किया गया है।

राज्य में गठित जैव विविधता प्रबंधन समितियों का जिलावार विवरण इस प्रकार है।

राज्य स्तर पर जिला, प्रखण्ड एवं ग्राम पंचायत जैव विवरण

Progress of Biodiversity Management Committee at All 3 level (Date: 28-02-23 Time- 12 Noon)

SN	District	Gram Panchayat			Panchayat Samiti			Zila Parishad	
		Total no of GP	Total No of BMC formed	Percentage	Total no of Block	Total No of BMC formed	Percentage	Total No of BMC formed	Percentage
1	Araria	211	188	89.10	9	5	55.56	0	0
2	Arwal	64	64	100.00	5	5	100.00	1	100
3	Aurangabad	202	202	100.00	11	11	100.00	1	100
4	Banka	182	182	100.00	11	11	100.00	1	100
5	Begusarai	217	215	99.08	18	16	88.89	1	100
6	Bhagalpur	238	238	100.00	16	16	100.00	1	100
7	Bhojpur	226	213	94.25	14	10	71.43	1	100
8	Buxar	137	114	83.21	11	3	27.27	1	100
9	Darbhanga	309	309	100.00	18	18	100.00	0	100
10	East Champaran	396	257	64.90	27	11	40.74	0	0
11	Gaya	320	283	88.44	24	12	50.00	1	100
12	Gopalganj	230	230	100.00	14	14	100.00	1	100
13	Jamui	152	146	96.05	10	7	70.00	1	100
14	Jehanabad	88	88	100.00	7	6	85.71	0	0
15	Kaimur	146	98	67.12	11	4	36.36	1	100
16	Katihar	231	231	100.00	16	16	100.00	1	100
17	Khagaria	113	107	94.69	7	5	71.43	1	100
18	Kishanganj	125	125	100.00	7	7	100.00	1	100
19	Lakhisarai	76	76	100.00	7	7	100.00	1	100
20	Madhepura	160	160	100.00	13	13	100.00	1	100
21	Madhubani	388	381	98.20	21	19	90.48	0	0
22	Munger	96	96	100.00	9	9	100.00	1	100
23	Muzaffarpur	373	364	97.59	16	13	81.25	1	100
24	Nalanda	231	230	99.57	20	20	100.00	1	100
25	Nawada	182	182	100.00	14	14	100.00	1	0
26	Patna	309	309	100.00	23	14	60.87	0	0
27	Purnea	230	224	97.39	14	14	100.00	0	100
28	Rohtas	229	229	100.00	19	18	94.74	0	100
29	Saharsa	135	126	93.33	10	7	70.00	1	100

प्रखण्ड स्तर पर जैव विविधता प्रबंधन समिति का निर्माण

Total No of BMC Created at Block Level Level

Sl.no		Districtwise Block Name	No of Block
		ARARIA	
1	Block	Forbesganj	5
2		KURSAKANTA	
3		Narpatganj	
4		Palasi	
5		Raniganj	
		ARWAL	
1	Block	Arwal	5
2		Kaler	
3		Karpi	
4		Kurtha	
5		Sonbhadra Banshi Suryapur	
		AURANGABAD	
1	Block	Aurangabad	11
2		Barun	
3		Daudnagar	
4		Deo	
5		Goh	
6		Haspura	
7		Kutumba	
8		Madanpur	
9		Nabinagar	
10		Obra	
11		Rafiganj	
		BANKA	
1	Block	Amarpur	11
2		Banka	
3		Barahat	
4		Bausi	
5		Belhar	
6		Chanan	
7		Dhuraiya	
8		Katoria	
9		Phulidumar	
10		Rajaun	
11		Shambhuganj	
		BEGUSARAI	
1	Block	Bachhwara	16
2		Bakhri	
3		Barauni	
4		Begusarai	
5		Bhagwanpur	
6		Birpur	
7		Cheria Bariarpur	
8		Chhorahi	
9		Dandari	
10		Garhpura	
11		Khudabandpur	
12		Mansurchak	
13		Matihani	
14		Naokothi	
15		Sahebpur Kamal	
16		Teghra	
		BHAGALPUR	
1	Block	Bihpur	16
2		Gopalpur	
3		Goradih	
4		Ismailpur	
5		Jagdishpur	
6		Kahalgaon	
7		Kharik	
8		Narayanpur	
9		Nathnagar	
10		Naugachhia	
11		Pirpainti	
12		Rangra Chowk	
13		Sabour	
14		Shahkund	
15		Sonhaula	
16		Sultanganj	
		BHOJPUR	
1	Block	Arrah	10
2		Barhara	
3		Behea	
4		Charpokhari	
5		Jagdishpur	
6		Koilwar	
7		Piro	
8		Shahpur	
9		Tarari	
10		Udwant Nagar	
		BUXAR	
1	Block	Chakki	3
2		Chaugain	
3		Kesath	

DARBHANGA			
1	Block	Alinagar	18
2		Bahadurpur	
3		Baheri	
4		Benipur	
5		Biraul	
6		Darbhanga	
7		Ghanshyampur	
8		Gora Bauram	
9		Hanumannagar	
10		Hayaghat	
11		Jale	
12		Keotiranway	
13		Kiratpur	
14		Kusheshwar Asthan	
15		Kusheshwar Asthan Purbi	
16		Manigachhi	
17		Singhwara	
18		Tardih	
GAYA			
1	Block	Banke Bazar	12
2		Barachatti	
3		Belaganj	
4		Bodh Gaya	
5		Dobhi	
6		Dumaria	
7		Fatehpur	
8		Khizirsarai	
9		Manpur	
10		Mohanpur	
11		Neem Chak Bathani	
12		Tan Kuppa	
GOPALGANJ			
1	Block	Baikunthpur	14
2		Barauli	
3		Bhorey	
4		Bijaipur	
5		Gopalganj	
6		Hathua	
7		Katiya	
8		Kuchaikote	
9		Manjha	
10		Pach Deuri	
11		Phulwaria	
12		Sidhwalia	
13		Thawe	
14		Uchkagaon	
JAMUI			
1	Block	Barhat	7
2		Gidhaur	
3		Islamnagar Aliganj	
4		Jamui	
5		Jhajha	
6		Lakshmipur	
7		Sono	

JEHANABAD			
1	Block	Ghoshi	6
2		Hulasganj	
3		Jehanabad	
4		Kako	
5		Makhdumpur	
6		Modanganj	
KAIMUR			
1	Block	Bhagwanpur	4
2		Kudra	
3		Mohania	
4		Rampur	
KATIHAR			
1	Block	Amdabad	16
2		Azamnagar	
3		Balrampur	
4		Barari	
5		Barsoi	
6		Dandkhora	
7		Falka	
8		Hasanganj	
9		Kadwa	
10		Katihar	
11		Korha	
12		Kursela	
13		Manihari	
14		Mansahi	
15		Pranpur	
16		Sameli	
KHAGARIA			
1	Block	Alauli	5
2		Chautham	
3		Gogri	
4		Khagaria	
5		Parbatta	
KISHANGANJ			
1	Block	Bahadurganj	7
2		Dighalbank	
3		Kishanganj	
4		Kochadhamin	
5		Pothia	
6		Terhagachh	
7		Thakurganj	
LAKHISARAI			
1	Block	Barahiya	7
2		Chanan*	
3		Halsi	
4		Lakhisarai	
5		Pipariya	
6		Ramgarh Chowk	
7		Surajgarha	

MADHEPURA			
1	Block	Alamnagar	13
2		Bihariganj	
3		Chausa	
4		Gamharia	
5		Ghailarh	
6		Gwalpara	
7		Kishanganj	
8		Kumarkhand	
9		Madhepura	
10		Murliganj	
11		Puraini	
12		Shankarpur	
13		Singheshwar	
MADHUBANI			
1	Block	Andhratharhi	19
2		Babubarhi	
3		Basopatti	
4		Benipatti	
5		Bisfi	
6		Ghoghardiha	
7		Jainagar	
8		Kaluahi	
9		Khajauli	
10		Ladania	
11		Lakhnaur	
12		Laukaha	
13		Laukahi	
14		Madhepur	
15		Madhubani	
16		Madhwapur	
17		Pandaul	
18		Phulparas	
19		Rajnagar	
MUNGER			
1	Block	Asarganj	9
2		Bariarpur	
3		Dharhara	
4		Jamalpur	
5		Kharagpur	
6		Munger	
7		Sangrampur	
8		Tarapur	
9		Tetiha Bambor	

MUZAFFARPUR			
1	Block	Aurai	13
2		Baruraj (Motipur)	
3		Bochaha	
4		Dholi (Moraul)	
5		Gaighat	
6		Katra	
7		Kurhani	
8		Marwan	
9		Minapur	
10		Musahri	
11		Paroo	
12		Sakra	
13		Saraiya	
NALANDA			
1	Block	Asthawan	20
2		Ben	
3		Bihar	
4		Bind	
5		Chandi	
6		Ekangarsarai	
7		Giriak	
8		Harnaut	
9		Hilsa	
10		Islampur	
11		Karai Parsurai	
12		Katrisarai	
13		Nagar Nausa	
14		Noorsarai	
15		Parbalpur	
16		Rahui	
17		Rajgir	
18		Sarmera	
19		Silao	
20		Tharthari	
NAWADA			
1	Block	Akbarpur	14
2		Gobindpur	
3		Hisua	
4		Kashi Chak	
5		Kawakol	
6		Meskaur	
7		Nardiganj	
8		Narhat	
9		Nawada	
10		Pakribarawan	
11		Rajauli	
12		Roh	
13		Sirdala	
14		Warisaliganj	

PASHCHIM CHAMPARAN			
1	Block	Bagaha -1	16
2		Bairia	
3		Bhitaha	
4		Chanpatia	
5		Gaunaha	
6		Jogapatti	
7		Lauriya	
8		Madhubani	
9		Majhaulia	
10		Narkatiaganj	
11		Nautan	
12		Piprasi	
13		Ramnagar	
14		Sidhaw (Bagha-2)	
15		Sikta	
16		Thakrahan	
PATNA			
1	Block	Athmalgola	14
2		Bakhtiarpur	
3		Barh	
4		Bihta	
5		Bikram	
6		Dhanarua	
7		Fatwah	
8		Ghoswari	
9		Khusrupur	
10		MOKAMA	
11		Paliganj	
12		PATNA SADAR	
13		PHULWARISARIF	
14		Punpun	
PURBI CHAMPARAN			
1	Block	Banjaria	11
2		Bankatwa	
3		Chiraia	
4		Dhaka	
5		Madhuban	
6		Mehsi	
7		Paharpur	
8		Pakri Dayal	
9		Patahi	
10		Raxaul	
11		Sangrampur	
PURNIA			
1	Block	Amour	14
2		Baisa	
3		Baisi	
4		Banmankhi	
5		Barhara	
6		Bhawanipur	
7		Dagarua	
8		Dhamdaha	
9		Jalalgarh	
10		Kasba	
11		Krityanand Nagar	
12		Purnia East	
13		Rupauli	
14		Srinagar	

ROHTAS			
1	Block	Akorhi Gola	18
2		Bikramganj	
3		Chenari	
4		Dawath	
5		Dehri	
6		Dinara	
7		Kargahar	
8		Kochas	
9		Nasriganj	
10		Nauhatta	
11		Nokha	
12		Rajpur	
13		Rohtas	
14		Sanjhauli	
15		Sasaram	
16		Sheosagar	
17		Suryapura	
18		Tilouthu	
SAHARSA			
1	Block	Banma Itahri	7
2		Kahara	
3		Mahishi	
4		Patarghat	
5		Satar Kataiya	
6		Simri Bakhtiarpur	
7		Sonbarsa	
SAMASTIPUR			
1	Block	Bibhutpur	19
2		Bithan	
3		Dalsinghsarai	
4		Hasanpur	
5		Kalyanpur	
6		Khanpur	
7		Mohanpur	
8		Mohiuddinagar	
9		Morwa	
10		Patori	
11		Pusa	
12		Samastipur	
13		Sarairanjan	
14		Shivaji Nagar	
15		Singhia	
16		Tajpur	
17		Ujiarpur	
18		Vidyapati Nagar	
19		Warisnagar	
SARAN			
1	Block	Amnour	7
2		Chapra	
3		Ekma	
4		Ishupur	
5		Manjhi	
6		Marhaura	
7		Sonepur	

SHEIKHPURA			
1	Block	Ariari	6
2		Barbigha	
3		Chewara	
4		Ghat Kusumbha	
5		Sheikhpura	
6		Shekhopur Sarai	
SHEOHAR			
1	Block	Dumri Katsari	4
2		Purnahiya	
3		Sheohar	
4		Tariani Chowk	
SITAMARHI			
1	Block	Bairgania	16
2		Bajpatti	
3		Bathnaha	
4		Belsand	
5		Bokhara	
6		Charaut	
7		Dumra	
8		Majorganj	
9		Parihar	
10		Parsauni	
11		Pupri	
12		Riga	
13		Runisaidpur	
14		Sonbarsa	
15		Suppi	
16		Sursand	
SIWAN			
1	Block	Andar	19
2		Barharia	
3		Basantpur	
4		Bhagwanpur Hat	
5		Darauli	
6		Daraundha	
7		Goriakothi	
8		Guthani	
9		Hasanpura	
10		Hussainganj	
11		Lakri Nabiganj	
12		Maharajganj	
13		Mairwa	
14		Nautan	
15		Pachrukhi	
16		Raghunathpur	
17		Siswan	
18		Siwan	
19		Ziradei	

SUPAUL			
1	Block	Basantpur	10
2		Chhatapur	
3		Kishanpur	
4		Marauna	
5		Nirmali	
6		Pipra	
7		Pratapganj	
8		Raghopur	
9		Saraigarh Bhaptiyahi	
10		Supaul	
VAISHALI			
1	Block	Bhagwanpur	14
2		Bidupur	
3		Chehra Kalan	
4		Desri	
5		Goraul	
6		Hajipur	
7		Jandaha	
8		Lalganj	
9		Mahnar	
10		Mahua	
11		Paterhi Belsar	
12		Raghopur	
13		Raja Pakar	
14		Vaishali	
Grand Total			**436**

Calotropis gigantea

ग्राम पंचायत पर जैव विविधता प्रबंधन समिति का निर्माण

Total No of BMC Created at Panchayat Level

Sl.No	District wise Block name	Total No of Panchayat
1	**ARARIA**	**188**
1	Araria	26
2	Bhargama	17
3	Forbesganj	30
4	Jokihat	20
5	KURSAKANTA	13
6	Narpatganj	25
7	Palasi	18
8	Raniganj	27
9	Sikti	12
2	**ARWAL**	**64**
1	Arwal	12
2	Kaler	15
3	Karpi	19
4	Kurtha	10
5	Sonbhadra Banshi Suryapur	8
3	**AURANGABAD**	**202**
1	Aurangabad	15
2	Barun	16
3	Daudnagar	15
4	Deo	15
5	Goh	20
6	Haspura	14
7	Kutumba	20
8	Madanpur	19
9	Nabinagar	25
10	Obra	20
11	Rafiganj	23
4	**BANKA**	**182**
1	Amarpur	19
2	Banka	16
3	Barahat	15
4	Bausi	14
5	Belhar	18
6	Chanan	17
7	Dhuraiya	20
8	Katoria	15
9	Phulidumar	11
10	Rajaun	18
11	Shambhuganj	19
5	**BEGUSARAI**	**215**
1	Bachhwara	18
2	Bakhri	8
3	Balia	12
4	Barauni	15
5	Begusarai	25
6	Bhagwanpur	15
7	Birpur	8
8	Cheria Bariarpur	14
9	Chhorahi	10
10	Dandari	8
11	Garhpura	9
12	Khudabandpur	8
13	Mansurchak	8
14	Matihani	16
15	Naokothi	9
16	Sahebpur Kamal	16
17	Shamho Akha Kurha	3
6	**BHAGALPUR**	**238**
1	Bihpur	13
2	Gopalpur	9
3	Goradih	15
4	Ismailpur	5
5	Jagdishpur	14
6	Kahalgaon	28
7	Kharik	13
8	Narayanpur	11
9	Nathnagar	14
10	Naugachhia	10
11	Pirpainti	28
12	Rangra Chowk	10
13	Sabour	13
14	Shahkund	19
15	Sonhaula	18
16	Sultanganj	18

Green Bee Eater

7	**BHOJPUR**	**213**
1	Agiaon	14
2	Arrah	19
3	Barhara	22
4	Behea	13
5	Charpokhari	10
6	Garhani	8
7	Jagdishpur	20
8	Koilwar	17
9	Piro	20
10	Sahar	11
11	Sandesh	8
12	Shahpur	20
13	Tarari	17
14	Udwant Nagar	14
8	**BUXAR**	**114**
1	Barhampur	13
2	Buxar	15
3	Chakki	4
4	Chaugain	5
5	Chausa	5
6	Dumraon	11
7	Itarhi	13
8	Kesath	3
9	Nawanagar	15
10	Rajpur	18
11	Simri	12
9	**DARBHANGA**	**309**
1	Alinagar	11
2	Bahadurpur	23
3	Baheri	25
4	Benipur	16
5	Biraul	25
6	Darbhanga	23
7	Ghanshyampur	11
8	Gora Bauram	13
9	Hanumannagar	14
10	Hayaghat	12
11	Jale	21
12	Keotiranway	26
13	Kiratpur	8
14	Kusheshwar Asthan	14
15	Kusheshwar Asthan Purbi	9
16	Manigachhi	22
17	Singhwara	22
18	Tardih	14

10	**GAYA**	**283**
1	Amas	7
2	Atri	6
3	Banke Bazar	10
4	Barachatti	13
5	Belaganj	19
6	Bodh Gaya	14
7	Dobhi	12
8	Dumaria	11
9	Fatehpur	15
10	Gaya Town C.D.Block	16
11	Guraru	5
12	Gurua	12
13	Imamganj	15
14	Khizirsarai	14
15	Konch	15
16	Manpur	10
17	Mohanpur	17
18	Muhra	5
19	Neem Chak Bathani	8
20	Paraiya	9
21	Sherghati	8
22	Tan Kuppa	8
23	Tikari	18
24	Wazirganj	16
11	**GOPALGANJ**	**230**
1	Baikunthpur	22
2	Barauli	23
3	Bhorey	17
4	Bijaipur	13
5	Gopalganj	16
6	Hathua	18
7	Katiya	11
8	Kuchaikote	31
9	Manjha	20
10	Pach Deuri	9
11	Phulwaria	12
12	Sidhwalia	13
13	Thawe	11
14	Uchkagaon	14
12	**JAMUI**	**146**
1	Barhat	8
2	Chakai	22
3	Gidhaur	7
4	Islamnagar Aliganj	13
5	Jamui	11
6	Jhajha	19
7	Khaira	21
8	Lakshmipur	13
9	Sikandra	13
10	Sono	19

13	**JEHANABAD**	**88**
1	Ghoshi	8
2	Hulasganj	9
3	Jehanabad	14
4	Kako	14
5	Makhdumpur	22
6	Modanganj	7
7	Ratni Faridpur	14
14	**KAIMUR**	**98**
1	Adhaura	8
2	Bhabua	21
3	Bhagwanpur	5
4	Chainpur	14
5	Chand	8
6	Kudra	14
7	Mohania	18
8	Nuaon	1
9	Ramgarh	1
10	Rampur	8
15	**KATIHAR**	**231**
1	Amdabad	12
2	Azamnagar	28
3	Balrampur	12
4	Barari	21
5	Barsoi	27
6	Dandkhora	6
7	Falka	13
8	Hasanganj	5
9	Kadwa	30
10	Katihar	8
11	Korha	23
12	Kursela	5
13	Manihari	14
14	Mansahi	7
15	Pranpur	12
16	Sameli	8
16	**KHAGARIA**	**107**
1	Alauli	18
2	Beldaur	11
3	Chautham	13
4	Gogri	20
5	Khagaria	21
6	Mansi	5
7	Parbatta	19
17	**KISHANGANJ**	**125**
1	Bahadurganj	20
2	Dighalbank	16
3	Kishanganj	10
4	Kochadhamin	24
5	Pothia	22
6	Terhagachh	12
7	Thakurganj	21

18	**LAKHISARAI**	**76**
1	Barahiya	9
2	Chanan*	10
3	Halsi	10
4	Lakhisarai	10
5	Pipariya	5
6	Ramgarh Chowk	8
7	Surajgarha	24
19	**MADHEPURA**	**160**
1	Alamnagar	11
2	Bihariganj	10
3	Chausa	13
4	Gamharia	8
5	Ghailarh	9
6	Gwalpara	12
7	Kishanganj	12
8	Kumarkhand	21
9	Madhepura	17
10	Murliganj	17
11	Puraini	9
12	Shankarpur	9
13	Singheshwar	12
20	**MADHUBANI**	**381**
1	Andhratharhi	18
2	Babubarhi	20
3	Basopatti	15
4	Benipatti	30
5	Bisfi	28
6	Ghoghardiha	17
7	Harlakhi	17
8	Jainagar	15
9	Jhanjharpur	14
10	Kaluahi	11
11	Khajauli	14
12	Ladania	15
13	Lakhnaur	17
14	Laukaha	18
15	Laukahi	18
16	Madhepur	26
17	Madhubani	18
18	Madhwapur	10
19	Pandaul	26
20	Phulparas	12
21	Rajnagar	22
21	**MUNGER**	**96**
1	Asarganj	6
2	Bariarpur	11
3	Dharhara	13
4	Jamalpur	10
5	Kharagpur	18
6	Munger	13
7	Sangrampur	8
8	Tarapur	10
9	Tetiha Bambor	7

22	**MUZAFFARPUR**	**364**
1	Aurai	26
2	Bandra	12
3	Baruraj (Motipur)	28
4	Bochaha	20
5	Dholi (Moraul)	9
6	Gaighat	23
7	Kanti	18
8	Katra	22
9	Kurhani	35
10	Marwan	13
11	Minapur	26
12	Musahri	26
13	Paroo	31
14	Sahebganj	19
15	Sakra	27
16	Saraiya	29
23	**NALANDA**	**230**
1	Asthawan	18
2	Ben	9
3	Bihar	18
4	Bind	7
5	Chandi	14
6	Ekangarsarai	16
7	Giriak	7
8	Harnaut	15
9	Hilsa	15
10	Islampur	19
11	Karai Parsurai	7
12	Katrisarai	5
13	Nagar Nausa	9
14	Noorsarai	17
15	Parbalpur	5
16	Rahui	15
17	Rajgir	8
18	Sarmera	8
19	Silao	11
20	Tharthari	7
24	**NAWADA**	**182**
1	Akbarpur	19
2	Gobindpur	9
3	Hisua	10
4	Kashi Chak	7
5	Kawakol	15
6	Meskaur	10
7	Nardiganj	11
8	Narhat	10
9	Nawada	15
10	Pakribarawan	16
11	Rajauli	15
12	Roh	14
13	Sirdala	15
14	Warisaliganj	16

25	**PASHCHIM CHAMPARAN**	**303**
1	Bagaha -1	24
2	Bairia	17
3	Bhitaha	9
4	Chanpatia	24
5	Gaunaha	18
6	Jogapatti	18
7	Lauriya	19
8	Madhubani	10
9	Mainatanr	16
10	Majhaulia	29
11	Narkatiaganj	27
12	Nautan	19
13	Piprasi	7
14	Ramnagar	18
15	Sidhaw (Bagha-2)	25
16	Sikta	16
17	Thakrahan	7
26	**PATNA**	**311**
1	Athmalgola	8
2	Bakhtiarpur	17
3	Barh	13
4	BELCHCHI	7
5	Bihta	22
6	Bikram	16
7	Daniawan	6
8	Dhanarua	19
9	Dinapur-Cum-Khagaul	14
10	Dulhin Bazar	14
11	Fatwah	15
12	Ghoswari	8
13	Khusrupur	7
14	Maner	19
15	Masaurhi	17
16	MOKAMA	15
17	Naubatpur	19
18	Paliganj	23
19	Pandarak	15
20	PATNA SADAR	7
21	PHULWARISARIF	14
22	Punpun	13
23	Sampatchak	3

27	PURBI CHAMPARAN	257
1	Adapur	12
2	Areraj	5
3	Banjaria	12
4	Bankatwa	7
5	Chakia(Pipra)	12
6	Chawradano	5
7	Chiraia	16
8	Dhaka	15
9	Ghorasahan	7
10	Harsidhi	12
11	Kalyanpur	7
12	Kesaria	13
13	Kotwa	6
14	Madhuban	12
15	Mehsi	12
16	Motihari	1
17	Paharpur	13
18	Pakri Dayal	6
19	Patahi	14
20	Phenhara	6
21	Ramgarhwa	13
22	Raxaul	10
23	Sangrampur	12
24	Sugauli	12
25	Tetaria	9
26	Turkaulia	8
28	**PURNIA**	**224**
1	Amour	24
2	Baisa	15
3	Baisi	16
4	Banmankhi	22
5	Barhara	18
6	Bhawanipur	12
7	Dagarua	18
8	Dhamdaha	20
9	Jalalgarh	10
10	Kasba	12
11	Krityanand Nagar	17
12	Purnia East	14
13	Rupauli	17
14	Srinagar	9

29	ROHTAS	229
1	Akorhi Gola	11
2	Bikramganj	12
3	Chenari	11
4	Dawath	9
5	Dehri	13
6	Dinara	21
7	Karakat	19
8	Kargahar	20
9	Kochas	14
10	Nasriganj	12
11	Nauhatta	11
12	Nokha	13
13	Rajpur	8
14	Rohtas	8
15	Sanjhauli	6
16	Sasaram	10
17	Sheosagar	15
18	Suryapura	5
19	Tilouthu	11
30	**SAHARSA**	**126**
1	Banma Itahri	5
2	Kahara	10
3	Mahishi	19
4	Nauhatta	11
5	Patarghat	11
6	Salkhua	11
7	Satar Kataiya	9
8	Saur Bazar	14
9	Simri Bakhtiarpur	20
10	Sonbarsa	16
31	**SAMASTIPUR**	**339**
1	Bibhutpur	29
2	Bithan	13
3	Dalsinghsarai	13
4	Hasanpur	19
5	Kalyanpur	29
6	Khanpur	19
7	Mohanpur	11
8	Mohiuddinagar	16
9	Morwa	17
10	Patori	13
11	Pusa	13
12	Rosera	14
13	Samastipur	13
14	Sarairanjan	17
15	Shivaji Nagar	17
16	Singhia	14
17	Tajpur	12
18	Ujiarpur	28
19	Vidyapati Nagar	14
20	Warisnagar	18

32	**SARAN**	**273**
1	Amnour	18
2	Baniapur	23
3	Chapra	3
4	Dariapur	15
5	Dighwara	8
6	Ekma	18
7	Garkha	21
8	Ishupur	11
9	Jalalpur	14
10	Lahladpur	8
11	Maker	8
12	Manjhi	23
13	Marhaura	21
14	Mashrakh	14
15	Nagra	10
16	Panapur	11
17	Parsa	9
18	Revelganj	8
19	Sonepur	22
20	Taraiya	8
33	**SHEIKHPURA**	**49**
1	Ariari	10
2	Barbigha	9
3	Chewara	6
4	Ghat Kusumbha	5
5	Sheikhpura	14
6	Shekhopur Sarai	5
34	**SHEOHAR**	**53**
1	Dumri Katsari	8
2	Piprarhi	11
3	Purnahiya	8
4	Sheohar	10
5	Tariani Chowk	16
35	**SITAMARHI**	**252**
1	Bairgania	8
2	Bajpatti	19
3	Bathnaha	21
4	Belsand	9
5	Bokhara	10
6	Charaut	7
7	Dumra	18
8	Majorganj	8
9	Nanpur	14
10	Parihar	26
11	Parsauni	7
12	Pupri	11
13	Riga	15
14	Runisaidpur	33
15	Sonbarsa	20
16	Suppi	11
17	Sursand	15

36	**SIWAN**	**283**
1	Andar	10
2	Barharia	29
3	Basantpur	8
4	Bhagwanpur Hat	20
5	Darauli	16
6	Daraundha	17
7	Goriakothi	22
8	Guthani	10
9	Hasanpura	12
10	Hussainganj	15
11	Lakri Nabiganj	11
12	Maharajganj	16
13	Mairwa	8
14	Nautan	9
15	Pachrukhi	17
16	Raghunathpur	16
17	Siswan	13
18	Siwan	18
19	Ziradei	16
37	**SUPAUL**	**171**
1	Basantpur	14
2	Chhatapur	23
3	Kishanpur	15
4	Marauna	12
5	Nirmali	7
6	Pipra	14
7	Pratapganj	9
8	Raghopur	16
9	Saraigarh Bhaptiyahi	12
10	Supaul	26
11	Tribeniganj	23
38	**VAISHALI**	**266**
1	Bhagwanpur	20
2	Bidupur	22
3	Chehra Kalan	10
4	Desri	8
5	Goraul	14
6	Hajipur	23
7	Jandaha	20
8	Lalganj	21
9	Mahnar	14
10	Mahua	21
11	Patepur	25
12	Paterhi Belsar	9
13	Raghopur	20
14	Raja Pakar	13
15	Sahdai Buzurg	10
16	Vaishali	16
	Grand Total	**7658**

River Lapwing

Shikra

Siberian Stonechat

Streaked Fantail Warbler

Sand Lark

Asian Openbill

Asian Pintail

Black Redstart

बिहार राज्य ने पहली बार जैव विविधता प्रबंधन समिति का गठन Online माध्यम से किया गया । बिहार पहला राज्य है जिसने समिति का गठन Online माध्यम से किया है। इन कार्य के लिए Software का निर्माण किया गया (www.bmcbihar.in) है। इस Software के माध्यम से जिला स्तर, ब्लॉक स्तर तथा पंचायत स्तर पर BMC के अध्यक्ष तथा सदस्यों का पुर्ण विवरण (Photo, Caste, Category etc.) दर्ज का सिधे बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् को भेज सकते है। इन Software के मदद से आवश्यकता के अनुसार BMC की सदस्रू की सारी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

Palash Flower

पंचायत स्तरीय बी.एम.सी. (जैव विविधता प्रबंधन समिति)

के गठन कार्यवाही को ऑनलाइन अपलोड करने की उपयोग विधि

Panchayat Level BMC (Biodiversity Management committee)

User Manual for Online Uploading

*(उपयोगकर्ता - पंचायत सचिव User-Panchayat Sachiv)

Step 1:- फॉर्म भरने से पहले निम्न दस्तावेज को अपने कम्प्यूटर में फोल्डर बना कर रख लें।

(a.) इस मार्गदर्शन पुस्तिका का अंतीम पृष्ठ पर अंकित प्रपत्र को भर कर Scan कर रख लें। (PDF format size 100-200 kb).

(b.) गूगल में जाकर bmcbihar.in टाइप करें।

पंचायत स्तर के BMC गठन फॉर्म को भरने के लिए सबसे पहले यूजर रजिस्ट्रेशन करना होगा।

"Form-1 User Registration" (Red button) पर क्लिक करें।

Step 2:- एक फॉर्म खुलेगा, इसमें जिला का चयन करें इसके बाद प्रखंड चुनें, उसके बाद पंचायत। इसके बाद अपना नाम भरें, पद का नाम सेलेक्ट करें इसके बाद अपना मोबाईल नं0 डालें आपके मोबाईल पर OTP आएगा जिसे निर्धारित बॉक्स में डालकर मोबाईल नं0 का सत्यापन करें। इसके बाद सेव (Save) बटन पर क्लिक कर डाटा सेव करें।

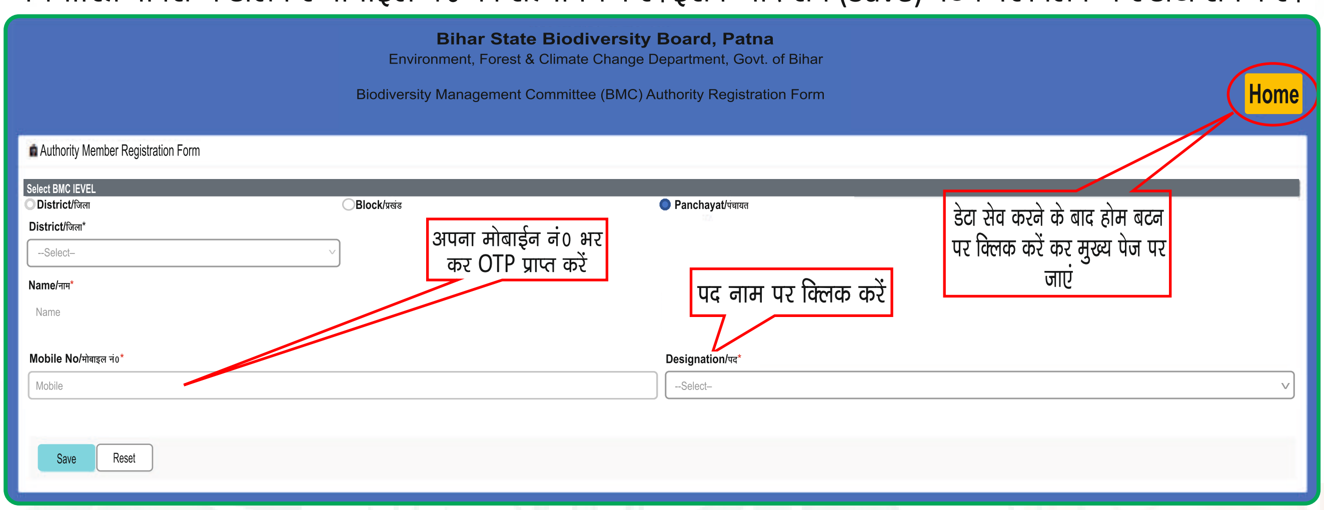

Step 3:- जैव विविधता समिति के सदस्य को जोड़ने के लिए User Registration करने के बाद Home Button (Yellow Button) पर क्लिक करें।
Form-2 (Add Member Details) ग्रीन बटन आयेगा। ग्रीन बटन पर क्लिक करने पर पेज आयेगा।

पेज खुलने के बाद लॉगइन पेज आएगा। इसमें अपना रजिस्टर्ड मोबाईल नं0 डालकर OTP प्राप्त करें फिर OTP डाल कर लॉगइन कर लें

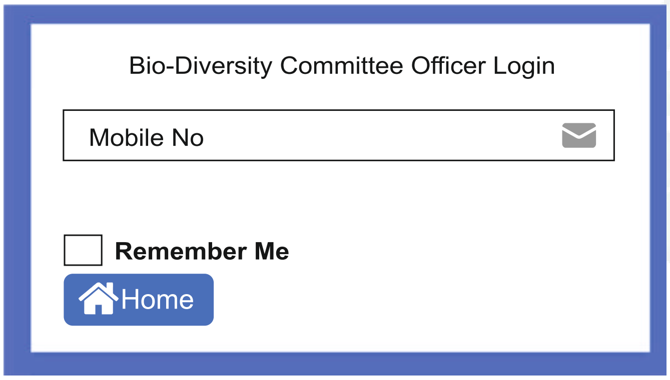

Step 4:- लॉग इन करने के बाद "Add Member" Sky Blue Button पर क्लिक करें। इसके बाद एक फॉर्म खुलेगा ड्रॉप डाउन से Add Committee Member चुने। इस एक सदस्य का नाम, पता, आयु, जाति, पदनाम भरने के बाद सेव बटन पर क्लिक करें। इसी तरह अन्य सभी सदस्य का नाम आदि भरने के लिए User को Member Details नीचे दिखता जाएगा। इस तरह से सारे सदस्यों की प्रविष्ट कर लें।

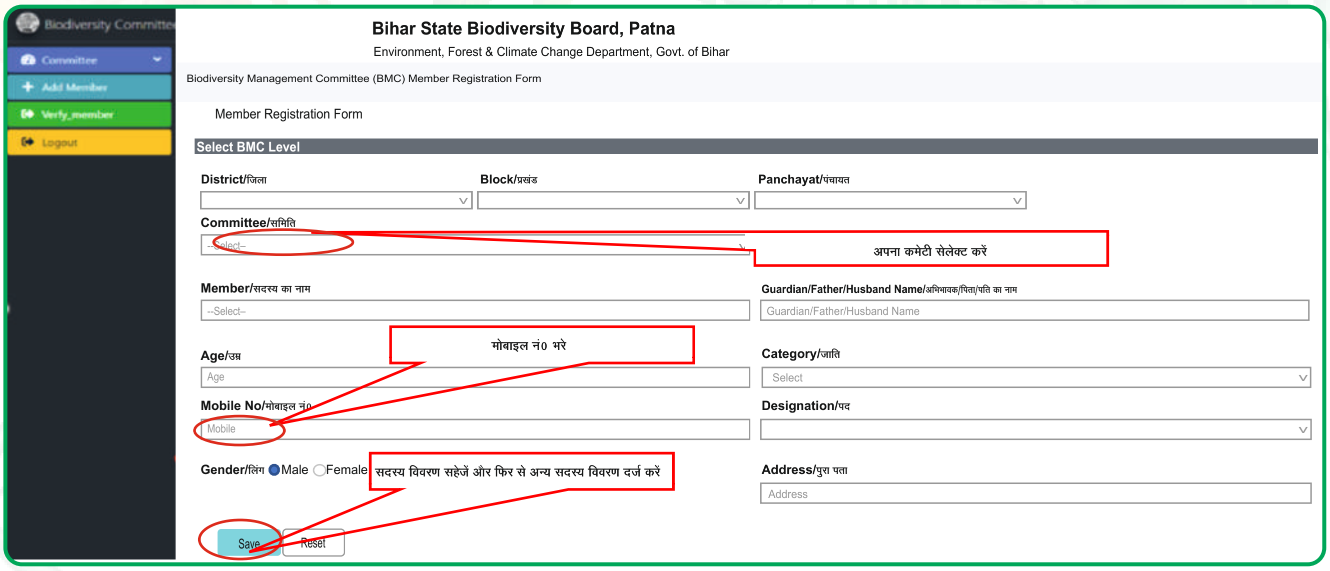

Step 5:- सदस्यों का सत्यापन करने के लिए सभी सदस्यों का डिटेल्स भरने के बाद "Verify Member" (Green Button) पर क्लिक करें। सभी सदस्यों का जाँच कर लें। त्रुटि को संसोधित करने हेतु Add Member में जायें एवं नाम आदि की त्रुटि सुधार लें। इसके बाद नीचे Choose file button पर क्लिक कर ग्रामसभा का प्रस्ताव का File attachment अपलोड कर फाइनल सबमिट बटन पर क्लिक कर फॉर्म सबमिट कर दें।

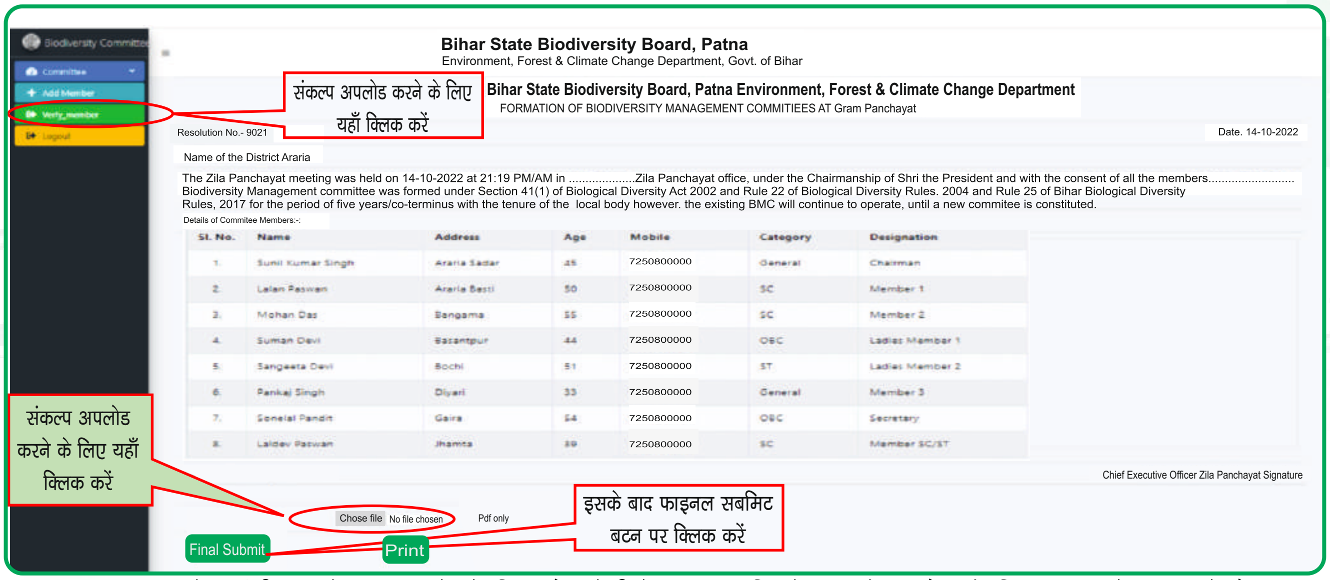

Sl. No.	Name	Address	Age	Mobile	Category	Designation
1.	Sunil Kumar Singh	Araria Sadar	45	7250800000	General	Chairman
2.	Lalan Paswan	Araria Basti	50	7250800000	SC	Member 1
3.	Mohan Das	Bangama	55	7250800000	SC	Member 2
4.	Suman Devi	Basantpur	44	7250800000	OBC	Ladies Member 1
5.	Sangeeta Devi	Bochi	51	7250800000	ST	Ladies Member 2
6.	Pankaj Singh	Diyari	33	7250800000	General	Member 3
7.	Sonelal Pandit	Gaira	54	7250800000	OBC	Secretary
8.	Laldev Paswan	Jhamta	39	7250800000	SC	Member SC/ST

Note:- आप अपने फॉर्म का स्टेटस जानने के लिए डैशबोर्ड में जाकर रजिस्ट्रेशन स्टेटस टैब में क्लिक कर देख सकते हैं।

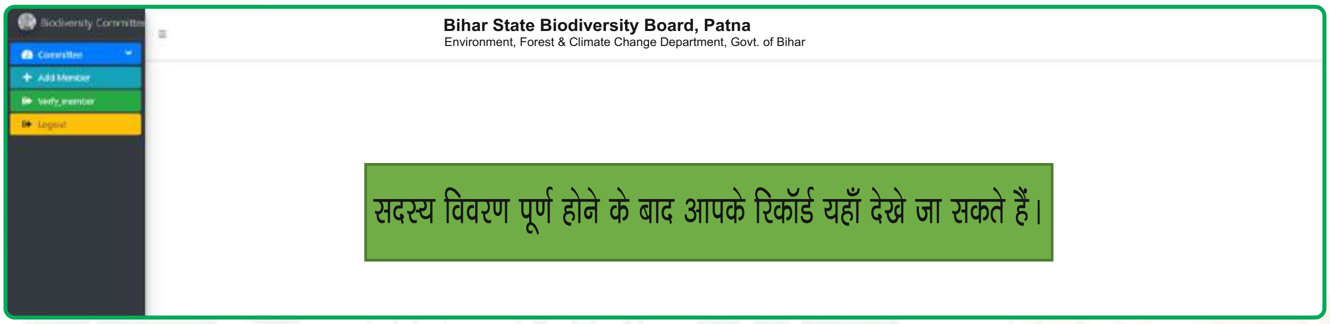

ग्राम सभा का प्रस्ताव

ग्राम पंचायत स्तर पर जैव विविधता प्रबंधन समिति (बी०एम०सी०) का गठन

प्रस्ताव संख्याः ......1...... दिनांकः ..21-11-2022..

पंचायतः– ..गोबिन्दपुर.. प्रखण्डः ..पिरपैंती.. जिलाः ..भागलपुर..

श्री/श्रीमती ..सुनिता देवी.., मुखिया की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत की एक बैठक दिनांक ..21-11-2022.. को समय ..01:00.. बजे से स्थान ..पंचायत भवन.. पर संपन्न हुई जिसमें उपस्थित अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों एवं ग्रामीणों की सहमति से जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 41(1) एवं जैव विविधता नियम, 2004 के नियम–22 और बिहार जैव विविधता नियमावली, 2017 की नियम–25 के आलोक में जैव विविधता प्रबंधन समिति का गठन किया जाता है।

समिति सदस्यों की विवरणी :–

क्र॰ सं॰	पुरा नाम एवं पता	उम्र	समुदाय	कोटि	हस्ताक्षर	मोबाईल संख्या	नवीनतम स्टांप
1.	कुन्दन कुमार रामनगर गोबिन्दपुर	40	OBC	अध्यक्ष	Kundankumar	7970726926	
2.	विनीता देवी रामनगर, गोबिन्दपुर	40	OBC	महिला सदस्य	विनीता देवी	9162060631	
3.	वीणा देवी लक्ष्मणटोला गोबिन्दपुर	35	GEN	महिला सदस्य	वीणा देवी	9304376202	
4.	बौनु मंडल गोबिन्दपुर	34	ST	अनु० जाति/अनु० जनजाति सदस्य	बौनु मंडल	7479614204	

5.	लालु कुमार लक्ष्मण टोला गोविन्दपुर	28	GEN	सदस्य	लालु कुमार	8002101681	
6.	मणिकांत शर्मा रामनगर गोविन्दपुर	28	EBC	सदस्य	मणिकांत शर्मा	9546154697	
7.	आदित्य कुमार पंचायत सचिव, गोविंदपुर	27	EBC	सदस्य सचिव	[signature] 21/11/22	8083802858	

जैव विविधता प्रबंधन समिति निम्न कार्यों के लिए उत्तरदायी होगी–

1. अपने कार्य क्षेत्र में जैव संसाधनों का संरक्षण एवं उनका पोषणीय उपयोग।
2. अपने कार्य क्षेत्र में जैव संसाधनों का गैर कानूनी संग्रहण रोकना।
3. जैव संसाधनों से संबंधित विभिन्न मामलों में राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण तथा बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् को अपना मंतव्य देना।
4. अपने कार्य क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के जैव संसाधनों का वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए संग्रहण/पहुँच की स्थिति में नियमानुकुल शुल्क अधिरोपित करना।
5. जैव संसाधनों का उपयोग करने वाले स्थानीय वैध एवं चिकित्सकों के आकड़े रखना।
6. जैव संसाधनों तथा पारंपरिक ज्ञान के प्रति पहुँच अधिरोपित फीस के संग्रहण, अभिप्राय लाभ तथा उनके प्रभाजन की रीति के ब्योरों के संबंध में जानकारी देने वाले रजिस्टर का संधारण।
7. स्थानीय जैव संसाधनों, उनके सहवद्ध पारम्परिक ज्ञान की उपलब्धता तथा ज्ञान संबंध में व्यापक जानकारी का अभिलेखीकरण।
8. राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण एवं बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् के दिशा निर्देश के अनुसार जैव विविधता कोष का उपयोग तथा प्रबंधन करना।.

[signature] 21/11/22
पंचायत सचिव का हस्ताक्षर
नाम–
मुहर
सचिव
ग्राम पंचायत-गोविन्दपुर
प्रखण्ड-पीरपैंती (भागलपुर)

सुचिना देवी
मुखिया का हस्ताक्षर
मुहर
मुखिया
ग्राम पंचायत- गोविन्दपुर
प्रखण्ड- पीरपैंती
जिला- भागलपुर (बिहार)

Mythili Duck

Temminck's Stint

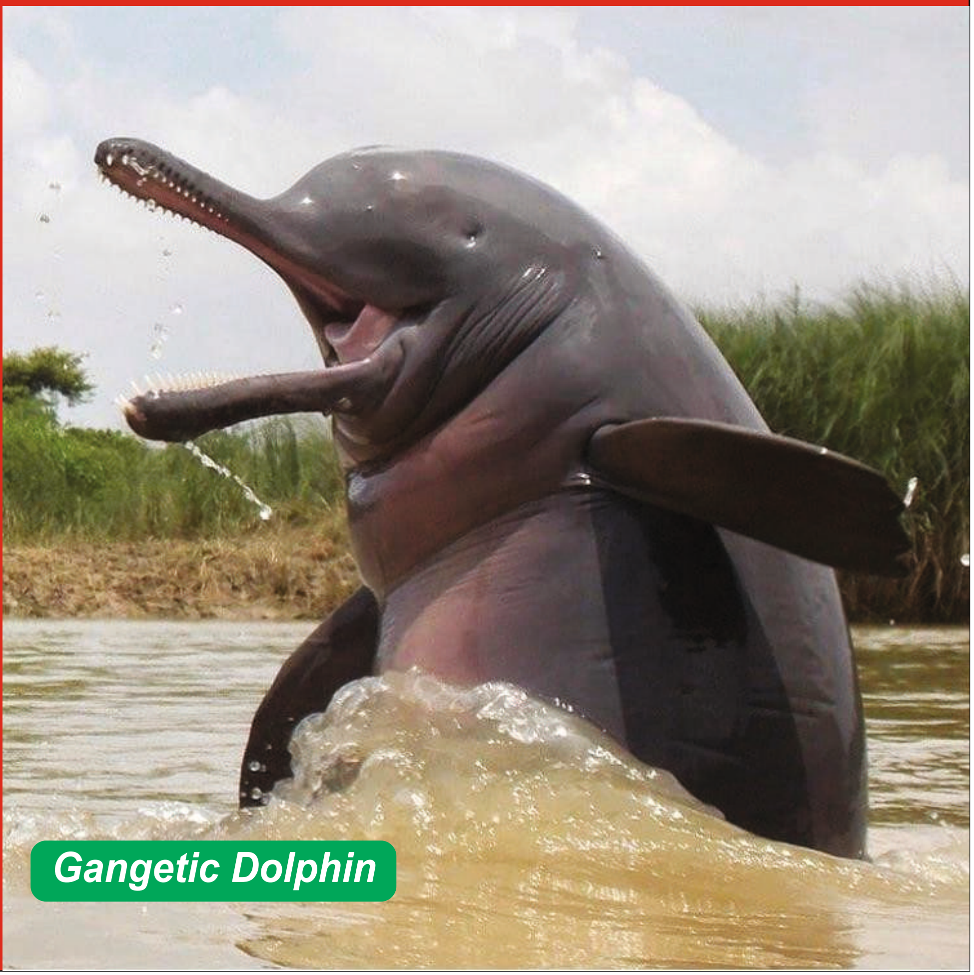
Gangetic Dolphin

योजना के उद्देश्य

जैव विविधता अधिनियम–2002 की धारा–41(1), जैव विविधता नियमावली, 2004 के नियम–22(6) तथा बिहार जैव विविधता नियमावली, 2017 की के नियम 26(6) के अनुसार जैव विविधता प्रबंधन समिति का मुख्य कार्य स्थानीय जनों के परामर्श से जन जैव विविधता पंजी को तैयार करना है। तद्नुरूप जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्यों को जन जैव विविधता पंजी तैयार करने हेतु तकनीकी सहायता, पंचायतों में पदस्थापित, कृषि समन्वयक, कृषि सलाहकार, 41 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों, गंगा प्रहरी तथा भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिको द्वारा उपलब्ध करायी गयी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) द्वारा निर्धारित समय सीमा को ध्यान में रखते हुए सभी कार्यों को कराने की बाध्यता थी। प्रारंभिक जैव विविधता पंजी तो तैयार हो गयी है, किन्तु इन जन जैव विविधता पंजियों का मूल्यांकन तथा उनकी गुणवत्ता में उन्यन की नितान्त आवश्यकता है, जिसके लिए प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़ो का संग्रहण तथा जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्यों से विचार–विर्मश आवश्यक है।

इस कार्य के लिए बिहार के सभी 38 जिलों में जिला स्तरीय के लिए आंकड़ो का संग्रहण तथा पूर्व में तैयार जिला स्तरीय जन जैव विविधता पंजी (PBR) का उन्यन के लिए जैव विविधता प्रबंधन समिति को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जैव विविधता प्रबंधन समिति द्वारा तैयार किए गये जिला स्तरीय, जन जैव विविधता पंजी की गुणवत्ता वर्द्धन जैव विविधता प्रबंधन समिति के जिला स्तर एवं प्रखण्ड स्तर के सदस्यों का प्रशिक्षण तथा क्षमता वर्धन के लिए निम्न कार्य किया जा रहा है।

(क) जिला स्तरीय जैव विविधता प्रबंधन समितियों द्वारा तैयार किए गये जन जैव विविधता पंजियों का अनुशीलन।

(ख) जिला स्तरीय जैव विविधता प्रबंधन समिति तथा प्रखण्ड स्तरीय जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्यों को अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराने तथा जन जैव विविधता पंजी में उन्यन हेतु प्रविष्टि करने के लिए प्रशिक्षण का कार्य।

(ग) अनुशीलन के आधार पर जन जैव विविधता पंजियों की कमियों को रेखांकित करना तथा इन्हें दूर करने के लिए कार्य योजना तैयार करना।

(घ) जिले के अंतर्गत स्थानीय ग्रामीण निकायों (प्रखण्ड तथा पंचायत) तथा शहरी निकायों के लिए तैयार किए गये जन जैव विविधता पंजी से आवश्यक सूचनाएँ एकत्र करना।

(ङ) प्राथमिक एवं द्वितीयक स्त्रोतों से जैव संसाधनों से संबंधित अतिरिक्त सूचनाओं/आँकड़ों का संग्रहण करना।

(च) जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर जैव संसाधनों संबंधी जिले की विशिष्ठ सूचनाओं का सत्यापन करना एवं अतिरिक्त सूचनाओं/आँकड़ों का संग्रहण करना।

(छ) सूचनाओं का जन जैव विविधता पंजी में समावेशन, परिमार्जन तथा प्रकाशन।

- बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् के द्वारा दिनांक 02.03.2023 को रोहतास जिला के पंचायत स्तर, प्रखण्ड स्तर और जिला स्तर की जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया गया। 2 मार्च 2023 को रोहतास जिला में मल्टीपर्पस हॉल में आयोजित पशिक्षण शिविर का शुभारंभ जिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने किया। इस प्रशिक्षण में द्वारा BMC अध्यक्षों को जन जैव विविधता पंजी का उन्न्यन, महत्व एवं लाभ के पूर्ण जानकारी दी गयी। इस प्रशिक्षण के द्वारा अध्यक्षों को निम्न बिन्दुओं पर प्रशिक्षण दिया गया।

जैव विविधता प्रबंधन समिति, रोहतास को प्रशिक्षण देने वाले विशेषज्ञ।

- जैव विविधता अधिनियम 2022 तथा नियम 2004
- लोक जैव विविधता पंजिका तथा जैव विविधता प्रबंधन समिति की भूमिका
- लोक जैव विविधता पंजिका का राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकारण की भूमिका
- लोक जैव विविधता रजिस्टर एवं राज्य जैव विविधता बोर्ड की भूमिका
- लोक जैव विविधता रजिस्टर एवं तकनीकी सहायता समूह (T.S.G) की भूमिका
- लोक जैव विविधता पंजिका विरूपण की प्रक्रिया
- जैव विविधता से संबंधित प्रारंपरिक ज्ञान का अभिलेखन
- लोक जैव विविधता से पंजिका (PBR) बनाये जाने की क्रिया–विधि
- विरासत वृक्षों का सर्वेक्षण एवं संरक्षण इत्यादि।

डॉ0 के गणेश कुमार सचीव बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद द्वारा जैव विविधता प्रबंधन समिति को संबोधित करते हुए

प्रशिक्षण में उपस्थित जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गण

प्रशिक्षण में उपस्थित जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गण

जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी के द्वारा संकल्प लेते हुए

प्रशिक्षण लेते हुए उपस्थित जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष

दैनिक भास्कर सासाराम 03-03-2023

प्रशिक्षण • पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर की जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को प्रशिक्षण

जैव विविधता के क्षेत्र में रोहतास करेगा बेहतर कार्य, होगा जैविक संपदा संरक्षण

भास्कर न्यूज | सासाराम

रोहतास जिला के पंचायत स्तर, प्रखंड स्तर और जिला स्तर की जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद की तरफ से प्रशिक्षण दिया गया। गुरूवार को मल्टीपर्पस हॉल में आयोजित प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विशेष रुप से कार्य करें। हमको उम्मीद है कि जैव विविधता के क्षेत्र में रोहतास बेहतर कार्य करेगा। समितियां यहां की जैविक संपदा के संरक्षण में अहम भूमिका निभाएगी। बहुत खुशी की बात है कि बिहार में रोहतास जिला से प्रशिक्षण की शुरुआत हो रही है। आप सभी बेहतर ढंग से कार्य करें। आप सभी अध्यक्षों को हमारी तरफ से शुभकामनाएं। इस अवसर पर बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के सचिव गणेश कुमार ने कहा राज्य के सभी जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को प्रशिक्षण देने की शुरुआत की गई है। जैव विविधता प्रबंधन समिति के राज्य में 58 हजार सदस्य हो गए हैं। वृक्षों को मित्र बनाने और विरासत वृक्षों का सर्वेक्षण एवं संरक्षण किया जा रहा है। 50 वर्ष से ज्यादा उम्र वाले वृक्षों को हेरिटेज ऐप पर अपलोड करें। बीजू आम को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में मानी जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मृत्युंजय मानी ने पर्यावरण एवं स्वच्छता का संकल्प दिलाया। साथ ही अपील किया कि मानी जैव विविधता प्रबंधन समिति की तर्ज पर अपने-अपने पंचायतों में क्लबों का गठन करें और जैव विविधता संरक्षण के प्रति

50 वर्ष से ज्यादा उम्र वाले वृक्षों को हेरिटेज ऐप पर अपलोड करें

कार्यक्रम को संबोधित करते डीएम और मौजूद लोग।

जैव विविधता पंजी के संधारण के बारे में दी गई विस्तृत जानकारी

कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज के वैज्ञानिक डॉ रतन कुमार ने जैव विविधता पंजी के संधारण के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। अध्यक्षों को बताया गया किस तरह से पंजी का संधारण करना है। राज्य परियोजना प्रबंधक जल एवं स्वच्छता तबरेज आलम ने जय विविधता प्रबंधन समिति के गठन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। राज्य जैव विविधता पर्षद के जीआईएस एंड रिमोट सेंसिंग पदाधिकारी भावेश कुमार ने हेरीटेज फ्री ऐप के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। अध्यक्षों से अपील किया कि इस ऐप का इस्तेमाल करें और अपने अपने पंचायत के 50 वर्ष से अधिक उम्र वाले पेड़ों को इस ऐप में डालें। ऐप में अपलोड करने के तरीका से

रोहतास के 229 पंचायतों में जय विविधता प्रबंधन समिति का हो चुका है गठन

राज्य जैव विविधता पर्षद के उपनिदेशक सुनील कुमार सिन्हा ने कहा कि रोहतास जिला के 229 पंचायतों में जय विविधता प्रबंधन समिति का गठन हो चुका है। सभी अध्यक्षों से आग्रह है कि वे अपने पंचायत में जाकर अपने सभी सदस्यों को इस प्रशिक्षण शिविर के बारे में बताएं, उन्हें जो जानकारियां मिली उसकी जानकारी दें और अपने पंचायत में जैव विविधता के संरक्षण के बारे में आमजन को जागरूक करें। जैव विविधता एक्ट का मूल उद्देश्य है कि जैविक संसाधन को संरक्षित करना है। जैविक संसाधनों पर जैव विविधता प्रबंधन समिति का अधिकार है। वन प्रमंडल पदाधिकारी सह रोहतास जिला के जैव विविधता प्रबंधन समिति के नोडल पदाधिकारी मनीष वर्मा ने कहा कि जैविक संसाधन से समितियां लाभान्वित हो सकती है। जैविक संसाधनों पर समितियों का अधिकार है। समितियों की अनुमति के बिना कोई भी जैविक संसाधन को पंचायत से बाहर नहीं ले जा सकता है। भागलपुर में जैविक संसाधनों को लेने के लिए कंपनियां अनुमति मांगी हैं, आप लोग रोहतास

दैनिक भास्कर पटना 03-03-2023

के लिए कह रहे हैं। वक्त निकल गया है। | की सेवा की बाध्यता लगा दी गई, ताजा मामला एनआईआरएफ

राज्य के विरासत वृक्षों का सर्वे शुरू, संरक्षण को ₹10 हजार प्रति वृक्ष मिलेंगे

सिटी रिपोर्टर | पटना

राज्य के विरासत वृक्षों का सर्वेक्षण शुरू है। जैव विविधता के द्वारा बनाए गए जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर पर जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को विरासत वृक्षों को चयन करने के लिए ट्रेनिंग दी गई है। पर्षद की ओर से फाइनल किए गए विरासत वृक्षों को संरक्षण और सुरक्षा के लिए विभाग प्रति वृक्ष 10 हजार रुपए देगा। यह राशि बीएमसी को दी जाएगी। बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के सचिव डॉ. के. गणेश ने यह जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से अभी तक 14 हजार से अधिक पुराने वृक्षों की तस्वीर आ चुकी है। कोई 40 साल तो कोई 50 पुराने वृक्ष की तस्वीर है। स्थल पर जांच होने के बाद ही इन वृक्षों को विरासत वृक्ष में शामिल किया जाएगा। पटना, बक्सर,जहानाबाद, गया, मुजफ्फरपुर सहित प्रदेश के सभी जिला में बीएमसी अध्यक्षों को जैव विविधता के बारे में ट्रेनिंग दी जाएगी। गुरुवार को रोहतास में पहली बार बीएमसी की ट्रेनिंग देने के दौरान उन्होंने ये बातें बताई।

बीएमसी अध्यक्षों की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पर्षद के सचिव डॉ. के. गणेश मौजूद थे। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार द्वारा सभी अध्यक्षों एवं जनता को जैव विविधता अधिनियम, 2002 एवं संशोधित नियमावली का सामान्य परिचय देते हुए उद्देश्य बताया गया। साथ ही जैव विविधता प्रबंधन समिति के कार्य एवं लोक जैव विविधता पंजी के निर्माण में भूमिका एवं इसकी महत्ता से अवगत कराया गया। इस मौके पर जिला पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार, बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद से आए उप-निदेशक सुनील कुमार सिन्हा सहित कई अधिकारी एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

जैविक संपदा के संरक्षण में अहम भूमिका निभाएंगी समितियां: डीएम

सासाराम, हिन्दुस्तान संवाददाता। रोहतास जिला के पंचायत स्तर, प्रखंड स्तर और जिला स्तर की जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद की तरफ से प्रशिक्षण दिया गया। गुरुवार को शहर के मल्टी परपस हॉल में आयोजित प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ डीएम धर्मेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर डीएम ने कहा कि जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विशेष रूप से कार्य करें। हमको उम्मीद है कि जैव विविधता के क्षेत्र में रोहतास बेहतर कार्य करेगा। समितियां यहां की जैविक संपदा के संरक्षण में अहम भूमिका निभाएंगी। बहुत खुशी की बात है कि बिहार में रोहतास जिला से प्रशिक्षण की शुरुआत हो रही है।

इस अवसर पर बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के सचिव गणेश कुमार ने कहा राज्य के सभी जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को प्रशिक्षण देने की शुरुआत की गई है। जैव विविधता प्रबंधन समिति के राज्य में 58 हजार सदस्य हो गए हैं। वृक्षों को मित्र बनाने और विरासत वृक्षों का सर्वेक्षण एवं संरक्षण किया जा रहा है। 50 वर्ष से ज्यादा उम्र वाले वृक्षों को हेरिटेज ऐप पर अपलोड करें। बीजू आम को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। राज्य जैव विविधता पर्षद के उपनिदेशक सुनील कुमार सिन्हा ने कहा कि रोहतास जिला के 229 पंचायतों में जय विविधता प्रबंधन समिति का गठन हो चुका है। सभी अध्यक्षों से आग्रह है कि वे अपने पंचायत में जाकर अपने सभी सदस्यों को इस प्रशिक्षण शिविर के बारे में बताएं, उन्हें जो जानकारियां मिली उसकी जानकारी दें और अपने पंचायत में जैव विविधता के संरक्षण के बारे में आमजन को जागरूक करें। जैव विविधता एक्ट का मूल उद्देश्य है कि जैविक संसाधन को संरक्षित करना है। जैविक संसाधनों पर जैव विविधता प्रबंधन समिति का अधिकार है। वन प्रमंडल पदाधिकारी सह रोहतास जिला के जैव विविधता प्रबंधन समिति के नोडल पदाधिकारी मनीष वर्मा ने कहा कि जैविक संसाधन से समितियां लाभान्वित हो सकती है। जैविक संसाधनों पर समितियों का अधिकार है। समितियों की अनुमति के बिना कोई भी जैविक संसाधन को पंचायत से बाहर नहीं ले जा सकता है। भागलपुर में जैविक संसाधनों को लेने के लिए कंपनियां अनुमति मांगी हैं। कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज के वैज्ञानिक डॉ रतन कुमार ने जैव विविधता पंजी के संधारण के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। राज्य परियोजना प्रबंधक जल एवं स्वच्छता तवरेज आलम ने जय विविधता प्रबंधन समिति के गठन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। राज्य जैव विविधता पर्षद के जीआईएस एंड रिमोट सेंसिंग पदाधिकारी भावेशकुमार ने हेरीटेज फ्री ऐप के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अध्यक्षों से अपील किया कि इस ऐप का इस्तेमाल करें व अपने पंचायत के 50 वर्ष से अधिक उम्र वाले पेड़ों को ऐप में डालें।

कार्यक्रम के अंत में स्वच्छता का दिलाया गया संकल्प

कार्यक्रम के अंत में मानी जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मृत्युंजय मानी ने पर्यावरण एवं स्वच्छता का संकल्प दिलाया। साथ ही अपील किया कि मानी जैव विविधता प्रबंधन समिति की तर्ज पर अपने-अपने पंचायतों में क्लबों का गठन करें और जैव विविधता संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करें।

फजलगंज स्थित मल्टी परपस हॉल में कार्यक्रम को संबोधित करते डीएम।

जैविक संपदा के संरक्षणं में समितियां निभाएंगी अहम भूमिका

जासं, सासाराम : स्थानीय फजलगंज स्थित इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को जिला के पंचायत, प्रखंड व जिला स्तर की जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद की तरफ से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ डीएम धर्मेंद्र कुमार ने किया। डीएम ने कहा कि जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विशेष रूप से कार्य करें। उम्मीद है कि इस क्षेत्र में रोहतास बेहतर कार्य करेगा। समितियां यहां की जैविक संपदा के संरक्षण में अहम भूमिका निभाएंगी। खुशी की बात है कि बिहार में रोहतास जिला से प्रशिक्षण की शुरुआत हो रही है। बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के सचिव गणेश कुमार ने कहा राज्य के सभी जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों को प्रशिक्षण देने की शुरुआत की गई है। समिति के राज्य में 58 हजार सदस्य हो गए हैं। वृक्षों को मित्र बनाने और विरासत वृक्षों का सर्वेक्षण एवं संरक्षण किया जा रहा है। 50 वर्ष से ज्यादा उम्र वाले वृक्षों को हेरिटेज ऐप पर अपलोड करें। बीजू आम को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। पर्षद के उपनिदेशक सुनील कुमार सिंहा ने कहा कि रोहतास जिला के 229 पंचायतों में जैव विविधता प्रबंधन समिति का गठन हो चुका है। सभी अध्यक्षों से आग्रह है कि वे अपने पंचायत में जाकर सभी सदस्यों को इस प्रशिक्षण शिविर के बारे में बताएं और आमजन को जागरूक करें। जैव विविधता एक्ट का मूल उद्देश्य जैविक संसाधन को संरक्षित करना है। जैविक संसाधनों पर जैव विविधता प्रबंधन समिति का अधिकार है। वन प्रमंडल पदाधिकारी सह जैव विविधता प्रबंधन समिति के जिला नोडल पदाधिकारी मनीष वर्मा ने कहा कि जैविक संसाधन से समितियां लाभान्वित हो सकती हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते डीएम धर्मेंद्र कुमार।

बिहार की कुल 9101 जैव विविधता समितियों द्वारा जन जैव विविधता पंजी का निर्माण किया है। निर्माण कार्य में कृषि समन्वयक, कृषि सलाहकार, गंगा प्रहरियों, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों, नगर प्रबंधक, वन्यजीव संस्थान, देहरादून के वैज्ञानिको द्वारा सहयोग किया गया है तथा उनमें आवश्यक सुधार किये गये है।

जन जैव विविधता पंजी एक बार तो तैयार कर ली गयी है, किन्तु इसमें सतत् उन्नयन की आवश्यकता है। भविष्य में उन्नयन के कार्य के लिए सभी आंकड़ों को कम्प्यूटरीकरण किया जायेगा तथा एक कम्प्यूटर प्रोग्राम तैयार किया गया है, जिसके तीन प्रमुख कार्य होंगे।

(i) जन जैव विविधता पंजी में दर्ज सूचनाओं में नई सूचनाओं को सम्मिलित करना।

(ii) ऐसा सर्च इंजन विकसित करना जिससे Dataset से सूचनाएँ सुगमता से प्राप्त की जा सकें।

(iii) नई सूचनाओं को Web board प्लेटफार्म में दर्ज करने के लिए ई–टेम्पलेट प्रदान करना। योजना का कार्य खुली निविदा आमंत्रित कर किया गया है।

योजना के अंतर्गत निम्न कार्य किये गए है।

(iv) राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण के डैश बोर्ड में ऑनलाइन प्रवृष्ठि किया गया है। जिसमें 9101 BMC का उनके डैसबोर्ड पर अपलोड किया गया है।

(v) जन जैव विविधता पंजी का अंकरूपण (Digitisation) कार्य किया जा रहा है। जिसमें लगभग 3262 PBR का Digitisation कार्य पुरा किया गया है। तथा राज्य के 8058 ग्राम पंचायत, 534 ब्लॉक तथा 38 जिलों का GIS Map तैयार किया गया है।

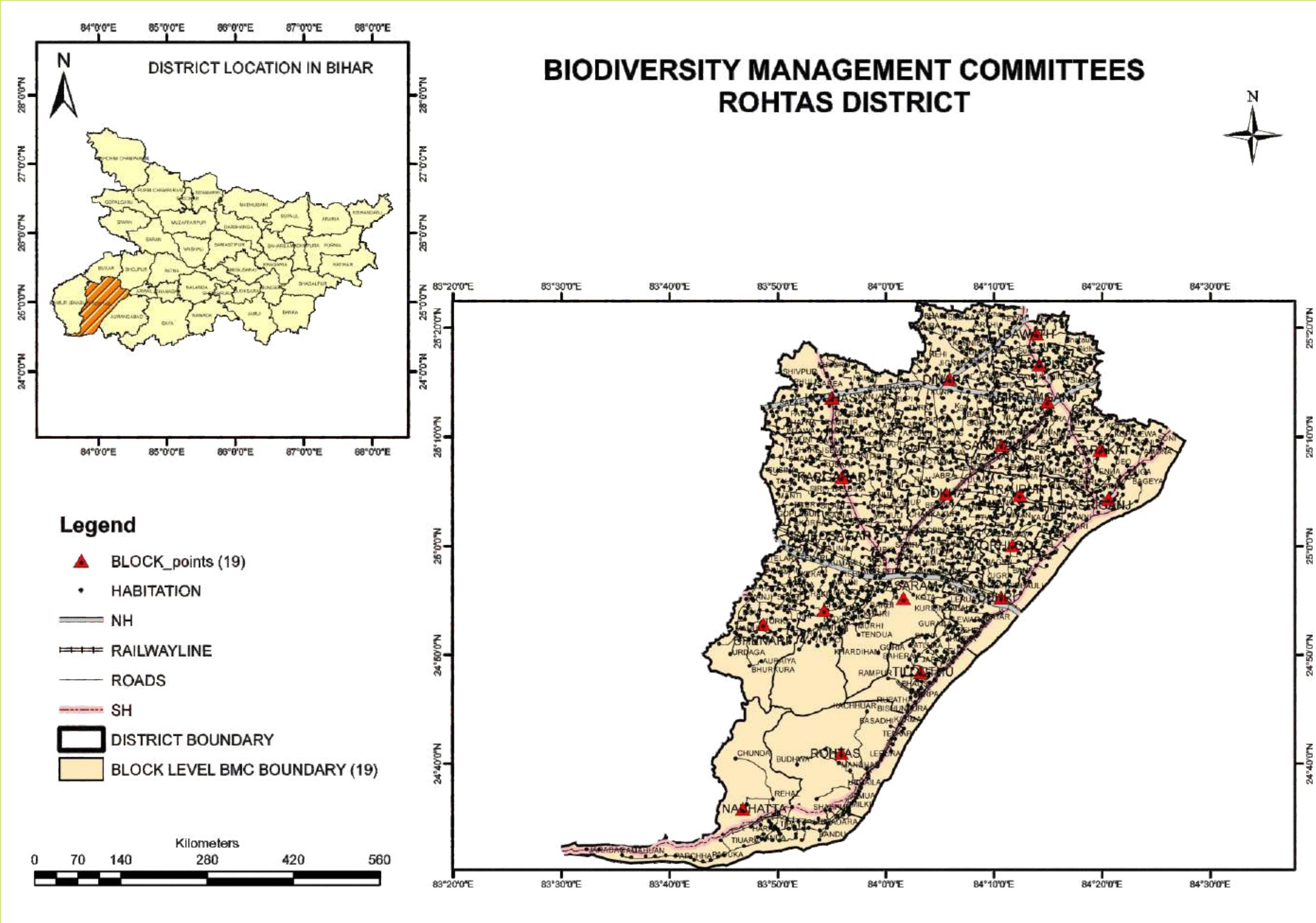
BIODIVERSITY MANAGEMENT COMMITTEES
ROHTAS DISTRICT
DISTRICT LOCATION IN BIHAR
N
Legend
BLOCK_points (19)
HABITATION
NH
RAILWAYLINE
ROADS
SH
DISTRICT BOUNDARY
BLOCK LEVEL BMC BOUNDARY (19)
Kilometers
0 70 140 280 420 560
DINARA
SASARAM
ROHTAS
NAUHATTA
TILOUTHU
CHENARI
SHIVPUR
RAMPUR
CHUNDA
BUDHWA
REHAL
KHARDIHAN
TENDUA
BHURKURA
URDAGA
AURAIYA

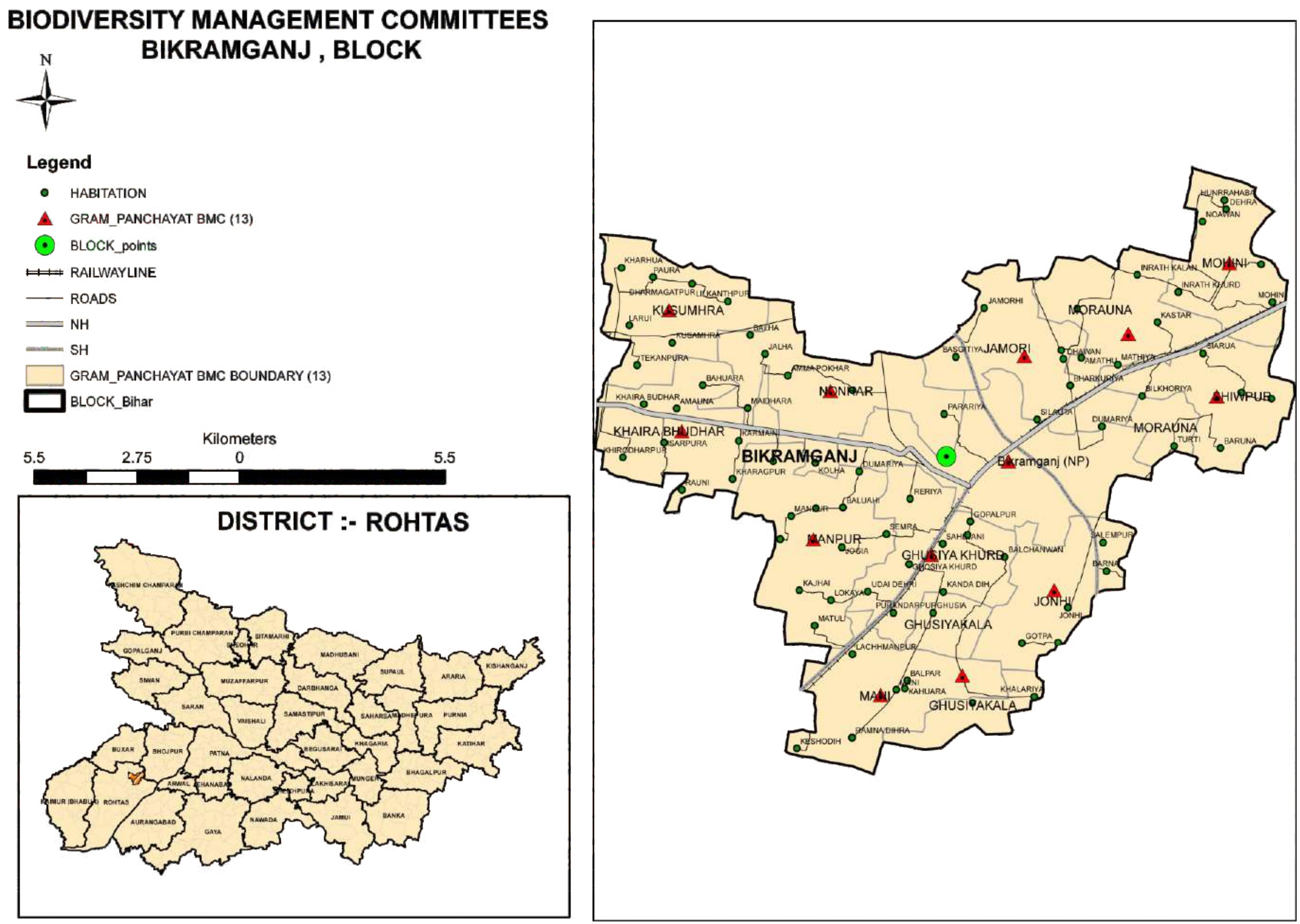
BIODIVERSITY MANAGEMENT COMMITTEES
BIKRAMGANJ , BLOCK
N
Legend
HABITATION
GRAM_PANCHAYAT BMC (13)
BLOCK_points
RAILWAYLINE
ROADS
NH
SH
GRAM_PANCHAYAT BMC BOUNDARY (13)
BLOCK_Bihar
Kilometers
5.5
2.75
0
5.5
DISTRICT :- ROHTAS
KUSUMHRA
KHAIRA BHUDHAR
NONIAR
BIKRAMGANJ
JAMORI
MORAUNA
MOHINI
SHIWPUR
MORAUNA
Bikramganj (NP)
MANPUR
GHUSIYA KHURD
JONHI
GHUSIYAKALA
MANI
GHUSIYAKALA

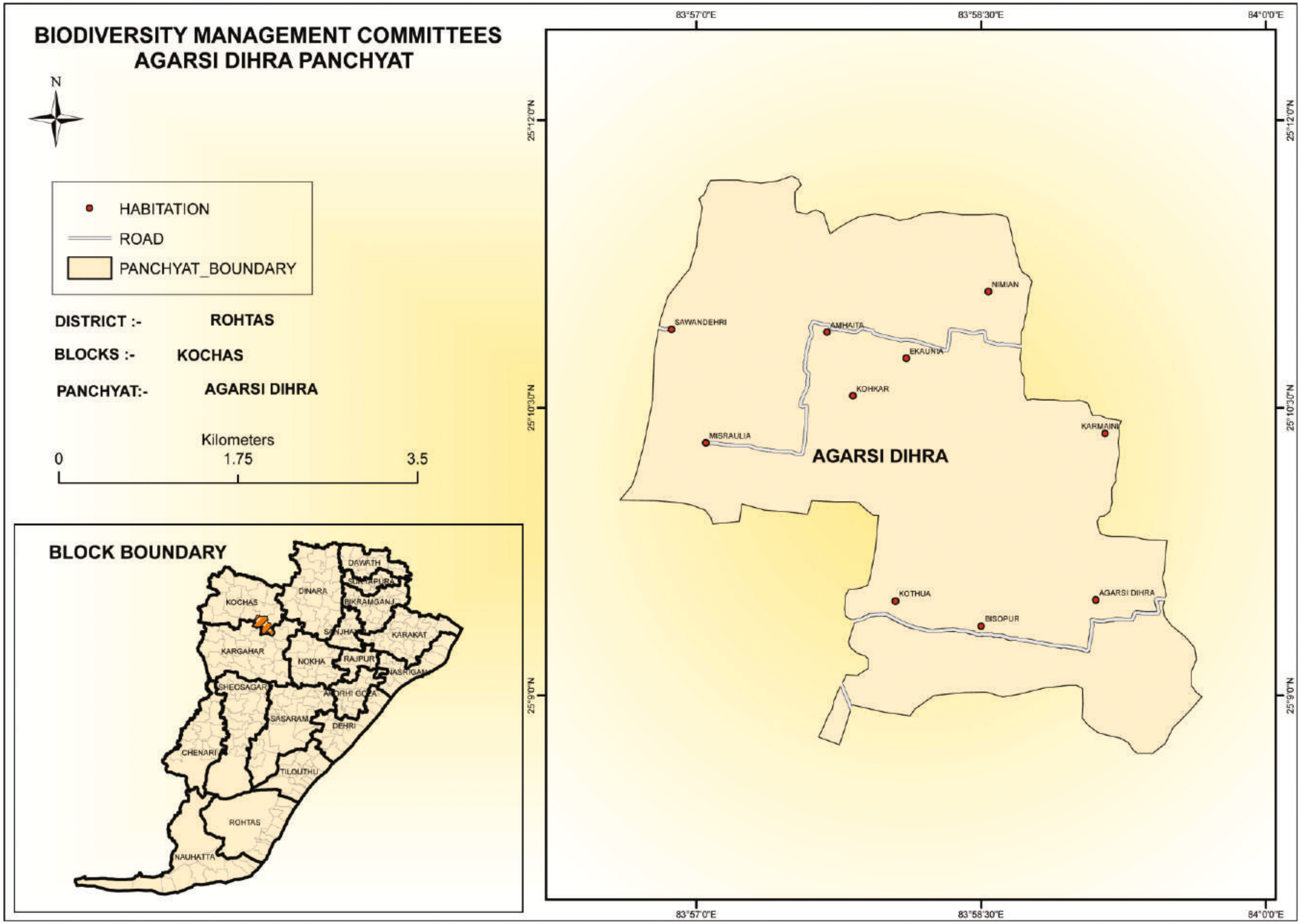
BIODIVERSITY MANAGEMENT COMMITTEES
AGARSI DIHRA PANCHYAT
N
HABITATION
ROAD
PANCHYAT_BOUNDARY
DISTRICT :- ROHTAS
BLOCKS :- KOCHAS
PANCHYAT:- AGARSI DIHRA
Kilometers
0 1.75 3.5
BLOCK BOUNDARY
DAWATH
DINARA
KOCHAS
BIKRAMGANJ
KARAKAT
KARGAHAR
NOKHA
RAJPUR
NASRIGANJ
SHEOSAGAR
SASARAM
DEHRI
CHENARI
TILOUTHU
ROHTAS
NAUHATTA
83°57'0"E
83°58'30"E
84°0'0"E
25°12'0"N
25°10'30"N
25°9'0"N
AGARSI DIHRA
SAWANDEHRI
AMHAITA
NIMIAN
EKAUNIA
KOHKAR
MISRAULIA
KARMAINI
KOTHUA
BISOPUR

बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् वेबसाईट का निर्माण

बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् का Website, Chennai स्थित Bow and Baan एजेंसी के माध्यम से निर्माण कराया गया, जिसका लोकार्पण माननीय पर्यावरण मंत्री, श्री तेज प्रताप यादव द्वारा दिनांक– 18.11.2022 किया गया। BSBB Website का URL-www.bsbb.bihar.gov.in है।

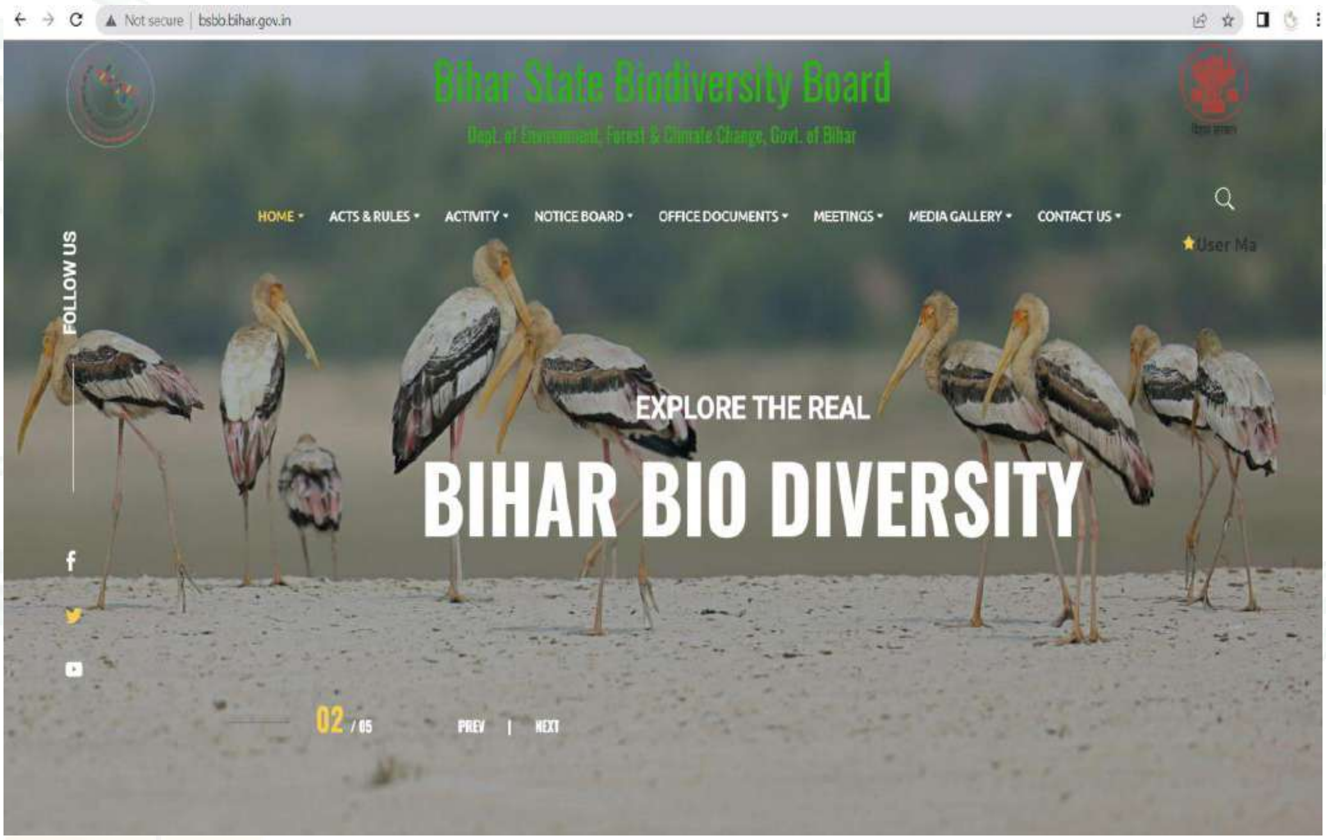

पर्षद् के वेबसाईट से राज्य के जैव विविधता सम्बंधित सभी जानकारी उपलब्ध है। जिसे आम नागरीक देख सकते है।

High Resolution Satellite Imagery द्वारा नालन्दा जिले के प्राकृतिक वनों तथा उसके बाहर के क्षेत्रों में हरित आवरण का आकलन।

13

योजना :

भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा प्रति दो वर्षों में देश के सभी राज्यों में प्राकृतिक वनों तथा प्राकृतिक वनों के बाहर के हरित आवरण का आकलन कर रिपोर्ट प्रकाशित की जाती है। पिछले 8–10 वर्ष में Liss-III से प्राप्त Imagery का उपयोग कर इसका आकलन किया जाता रहा है। Liss-III का Resolution 23.8 m है, जिसके कारण पिछले 10 वर्षों में बिहार में वनों के बाहर के पौधों का सही–सही आकलन नहीं हो पाता है। इसके अतिरिक्त प्राकृतिक वनों की सधनता का आकलन भी सेटलाईट इमेजरी की तकनीकी सीमाओं के कारण सही–सही नहीं हो पाता है। इस योजना के अंतर्गत बिहार के किसी एक जिला नालन्दा के प्राकृतिक वनों तथा प्राकृतिक वनों के बाहर के क्षेत्र में हरित आवरण के आकलन का कार्य किया जा रहा है। यह योजना लगभग एक वर्ष में पुरी की जा सकेगी।

योजना का उद्देश्य :

1. प्राकृतिक वनों में Very Dense, Moderately Dense, Open Forest, Scrub का आकलन।
2. प्राकृतिक वनों के बाहर हरित आवरण का आकलन।
3. वनों तथा वनों के बाहर के Growing Stock का आकलन।

योजना का कार्यान्वयनः

भौगोलिक सूचना प्रणाली एवं सुदुर संवेदन तकनीक के माध्यम से Agroforestry एवं TOF का अध्ययन किया जायेगा। High Resolution Satellite Imagery (एरियल इमेज) के माध्यम से प्रत्येक पेड़ एवं वृक्ष गुच्छों एवं उनके फैलाव का आकलन किया जा रहा है। इस कार्य में उच्च रिजोल्यूशन इमेज (LISS-IV; 5.8 m Spatial Resolution) एवं उच्च रिजोल्यूशन इमेज हवाई सर्वेक्षण से प्राप्त उच्च रिजोल्यूशन के इमेज का इस्तेमाल किया जा रहा है। LISS -IV के माध्यम से Vegetation Cover एवं Aerial Photograph से Visual Image interpretation कर TOF का तुल्नात्मक विश्लेषण किया जाएगा। इसका क्रियाविधि निम्नप्रकार होगी।

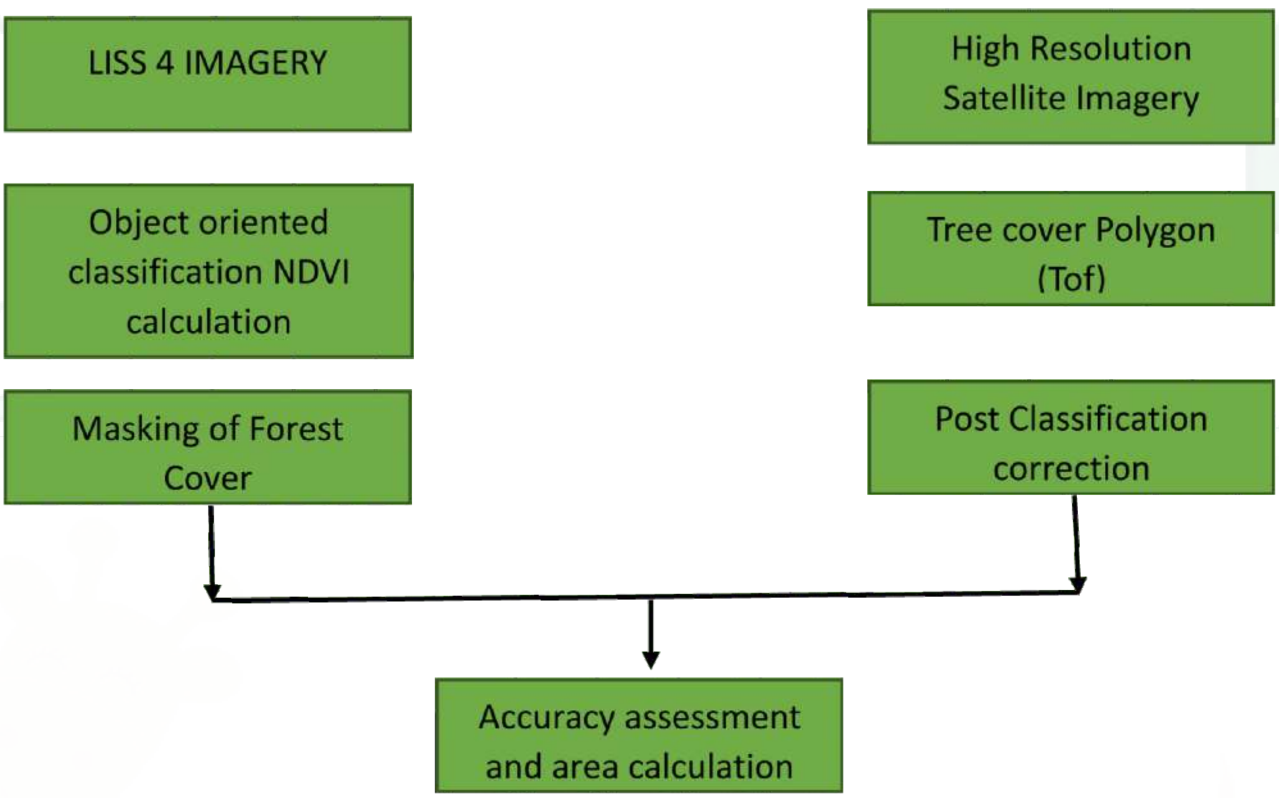

उपरिक्त प्रणाली के आधार पर नालंदा जिले के करायपशुराय प्रखण्ड के मकरौता ग्राम पंचायत की हरितआवरण का विशलेशन किया गया है। जिसके आधार पर उच्च्य रेजलूशन इमेज की प्रोशेसिंग तथा भू सत्य दर्श के लिए हार्डवेयर खरीद के उपरांत पुरे नालंदा जिले का हरितआवरण का विशलेशन किया जायेगा।

HIGH RESOLUTION IMAGERY OF MAKRAUTA PANCHYAT
BLOCK - KARAIPASURAI , DISTRICT - NALANDA
N
W
E
S
1 inch = 49 feet
Meters
20
10
0
20
Legend
TOF ACCORDING TO BSBB

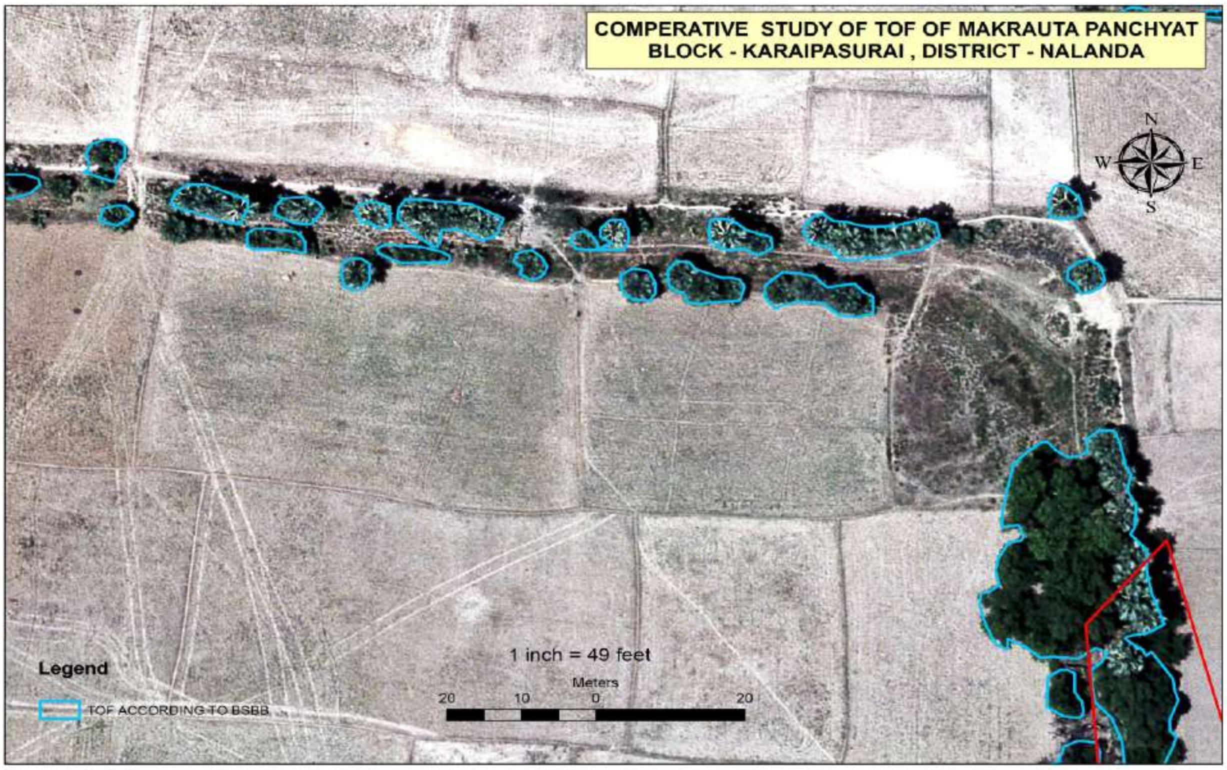
COMPERATIVE STUDY OF TOF OF MAKRAUTA PANCHYAT
BLOCK - KARAIPASURAI , DISTRICT - NALANDA
N
W
E
S
1 inch = 49 feet
Meters
20
10
0
20
Legend
TOF ACCORDING TO BSBB

जैव विविधता संरक्षण में वृक्षों की भूमिका सर्वविदित है। बड़े वृक्ष प्राणवायु देने के साथ–साथ अनेक प्रजातियों को प्राकृतिक आवास एवं भोजन आदि प्रदान करते है। अतः इन वृक्षों का पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) में विशेष महत्व है। वैसे वृक्ष जो आकार में बड़े हो, 50 वर्षों से अधिक पुराने हो, दुर्लभ प्रजाति के हो, सौदर्यपूर्ण तथा सांस्कृति महत्व के हो, उन्हें विरासत वृक्षों की श्रेणी में रख कर संरक्षित किया जाना आवश्यक है।

(क) प्राकृतिक वनों के बाहर स्थित 50 वर्ष या अधिक आयु के वृक्ष जिन्हें विरासत वृक्ष (Heritage Trees) का नाम दिया जायेगा। ऐसे वृक्ष वानस्पतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक तथा पारिस्थितिकी महत्व के होंगे

(ख) वृक्षों का एक फोटो तथा दूसरा फोटो गणनार्थी का वृक्ष के साथ अपलोड किया जायेगा, जिसमें वृक्ष की प्रजाति, स्थल का नाम, Lat/Long के साथ छाती की उँचाई पर वृक्षों की गोलाई (Girth) इत्यादि का विवरण रहेगा। यह सूचना Biodiversity Board द्वारा तैयार App के माध्यम से प्राप्त किया जायेगा।

विरासत वृक्षों का सर्वेक्षण के लिए “Bihar Heritage Tree” App का निर्माण किया गया है। जिसका लोकार्पण अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के दिन माननीय मंत्री जी से माध्यम से किया गया है। इस App को डाउनलोड करने के लिए www.heritagetree.in पर जाकर डाउनलोड कर सकते है। एवं इस App को Google Play Store पर भी उपलोड कर दिया गया है। Play Store से मोबाईल फोन में Install किया

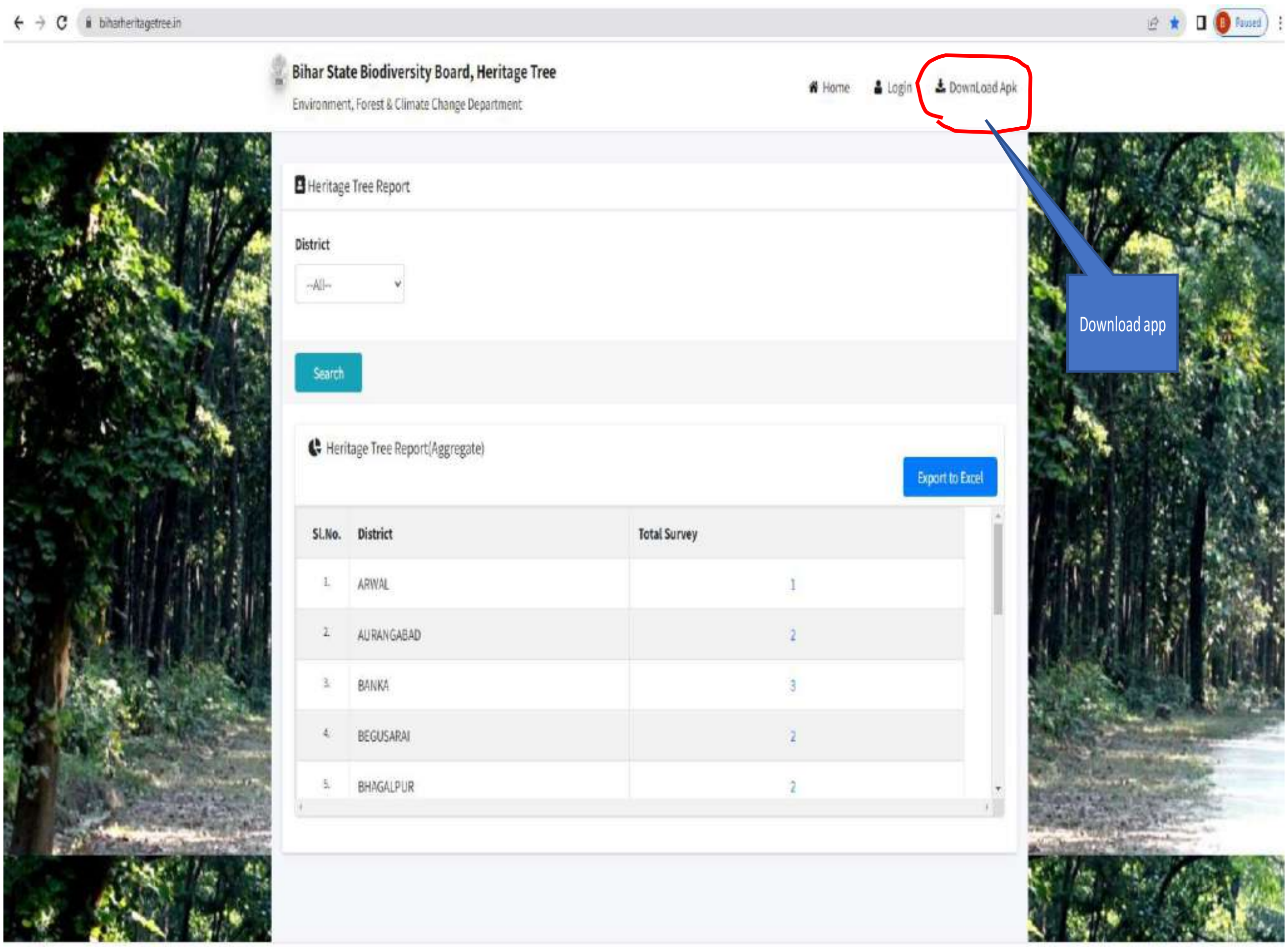

इस App के माध्यम से बिहार राज्य के लगभग 14907 वृक्षों का Database तैयार किया गया है। जिसमें जिलावार वृक्षों की प्रजातिवार से तैयार किया गया है जिसके आधार पर संरक्षण कार्य किया जाएगा।

अगले वितिय वर्ष में इन विरासत वृक्षों जो 50 साल के उपर होगी स्थल पर जाँच होने के बाद उन्हे विरासत वृक्षों में सामिल किया जायेगा। तथा उन्की प्रबंधन की योजना बनाई जाएगी

DOWNLOAD ANDROID APP FROM WEBSITE :-
https://biharheritagetree.in/

DOWNLOAD ANDROID APP FROM PLAYSTORE :-
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.forest.biodiversity.haritagetrees

DOWNLOAD ANDROID APP FROM QR CODE :-

STEP-1 — नए उपयोगकर्त्ता कृपया पंजीकरण पृष्ठ पर जाएं

STEP-2 — कृपया अपना नाम, फोन नंबर और पेशा दर्ज करें और फिर पंजीकरण पर क्लिक करें।

STEP-3 — उसके बाद बटन पर जाएं और सभी विवरण भरें, उदाहरण के लिए जिला ब्लॉक पंचायत आदि

STEP-4 — न्यू एंट्री बटन पर जाएं और सभी विवरण भरें, उदाहरण के लिए, जिला ब्लॉक पंचायत आदि

STEP-5 — निर्देश के अनुसार चार फोटो लें और फिर रिकार्ड सेव करें

STEP-6 — रिकॉर्ड जमा करने के बाद आप अपने रिकॉर्ड हेरिटेज ट्री वेबसाईट लिंक पर देख सकते है : https://biharheritagetree.in/

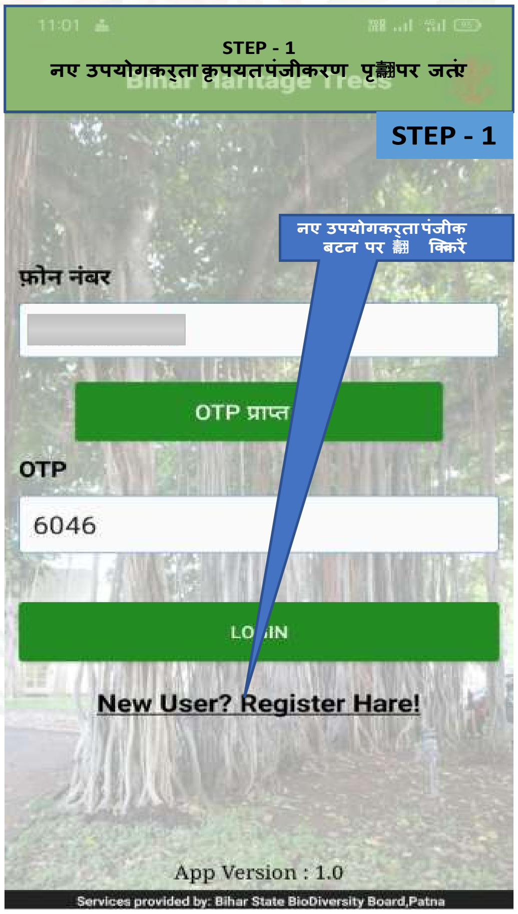
STEP - 1
STEP - 1
नए उपयोगकर्ता पंजीक बटन पर क्लिक करें
फ़ोन नंबर
OTP प्राप्त
OTP
6046
LOGIN
New User? Register Hare!
App Version : 1.0
Services provided by: Bihar State BioDiversity Board,Patna

STEP - 2
STEP - 2
Registration
अपना नाम दर्ज करें
Name * (नाम):
Enter Name
कृपया अपना फोन नंबर दर्ज करें
Phone*(फ़ोन):
Enter Phone
कृपया अपना पेशा चुनें
Profession (पेशा):
-पेशा चुने-
कृपया पंरीकरण पर क्लिक करें
REGISTATION

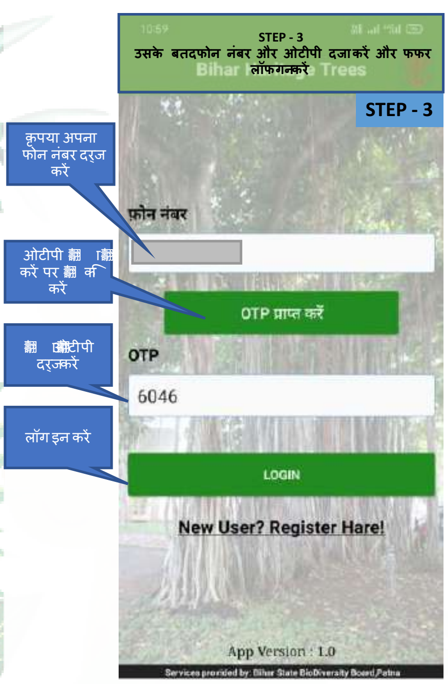
STEP - 3
STEP - 3
कृपया अपना फोन नंबर दर्ज करें
फ़ोन नंबर
OTP प्राप्त करें
OTP
6046
लॉग इन करें
LOGIN
New User? Register Hare!
App Version : 1.0
Services provided by: Bihar State BioDiversity Board,Patna

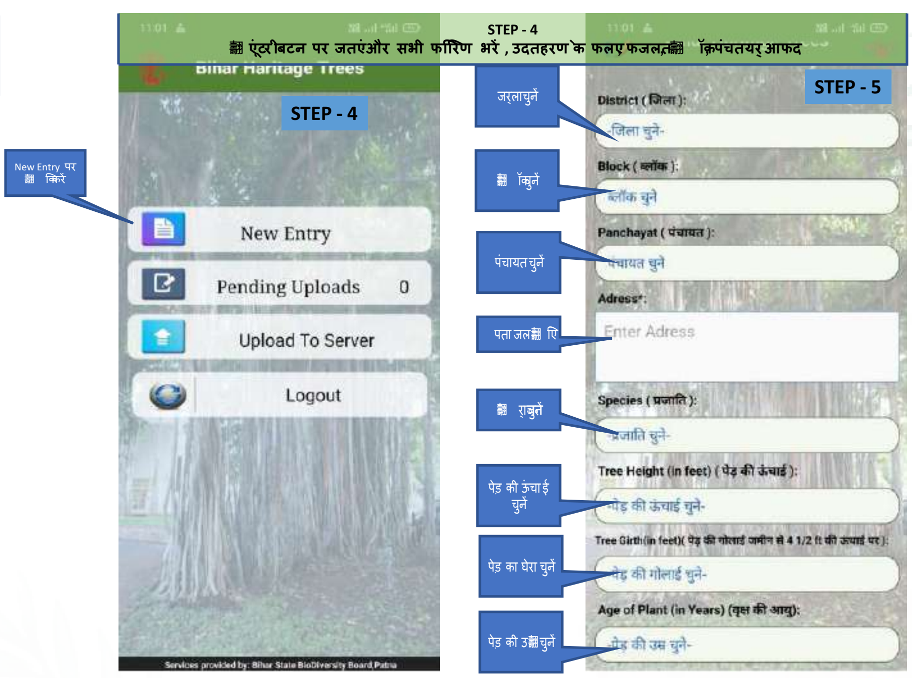
STEP - 4
STEP - 4
New Entry
New Entry
Pending Uploads 0
Upload To Server
Logout
Services provided by: Bihar State BioDiversity Board,Patna
STEP - 5
District (जिला):
-जिला चुने-
Block (ब्लॉक):
ब्लॉक चुने
Panchayat (पंचायत):
पंचायत चुने
पंचायत चुनें
Adress*:
Enter Adress
Species (प्रजाति):
-प्रजाति चुने-
Tree Height (in feet) (पेड़ की ऊंचाई):
-पेड़ की ऊंचाई चुने-
पेड़ की ऊंचाई चुनें
Tree Girth(in feet)(पेड़ की गोलाई जमीन से 4 1/2 ft की ऊंचाई पर):
-पेड़ की गोलाई चुने-
पेड़ का घेरा चुनें
Age of Plant (in Years) (वृक्ष की आयु):
-पेड़ की उम्र चुने-

STEP - 6
Bihar Haritage Trees
1
2
पूरे पेड़ की फोटो लें*
पूरे पेड़ की फोटो लें*
3
4
पेड़ के पत्ते / फूल का फोटो लें*
पेड़ की ऊंचाई को दिखाती हैं फोटो लें*
SAVE RECORDS
Services provided by: Bihar State BioDiversity Board,Patna
एक-एक करके चारों फोटो किरें
SAVE RECORDS पर किरें
STEP - 7
Bihar Haritage Trees
Mar 30, 2022 11:04
Lat : 25.6067072
Lon : 85.1024903
Mar 30, 2022 11:04
Lat : 25.6067296
Lon : 85.1024680
पूरे पेड़ की फोटो लें*
पूरे पेड़ की फोटो लें*
Mar 30, 2022 11:04
Lat : 25.6067426
Lon : 85.1024560
पेड़ के प… / फूल का फोटो लें*
पेड़ की ऊंचाई को दिखाती हैं फोटो लें*
SAVE RECORDS
Services provided by: Bihar State BioDiversity Board,Patna
Upload To Server पर किरें
STEP - 8
Bihar Haritage Trees
New Entry
Pending Uploads 1
Upload To Server
Logout
Services provided by: Bihar State BioDiversity Board,Patna

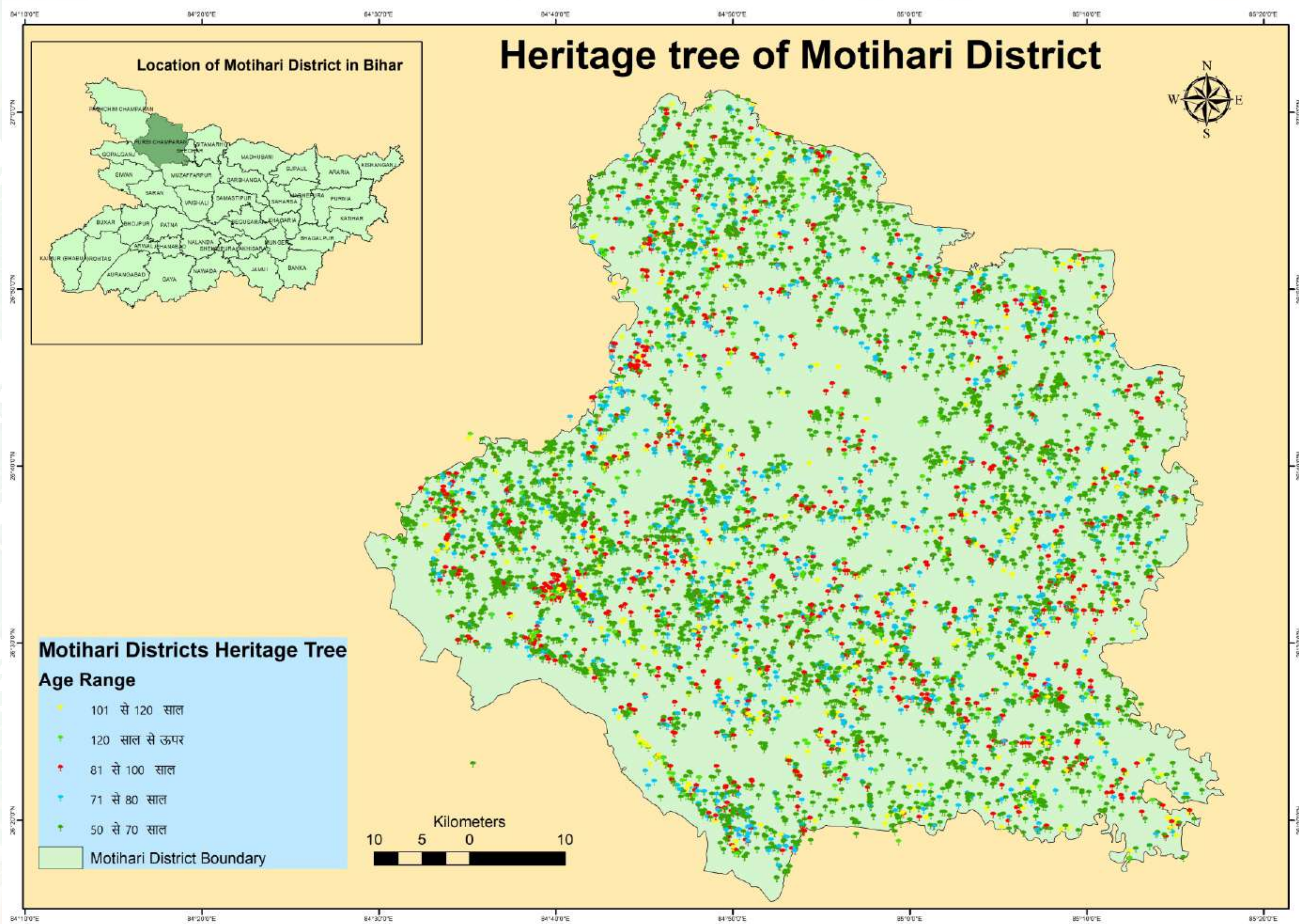
Heritage tree of Motihari District
Location of Motihari District in Bihar
Motihari Districts Heritage Tree
Age Range
101 से 120 साल
120 साल से ऊपर
81 से 100 साल
71 से 80 साल
50 से 70 साल
Motihari District Boundary
Kilometers
10 5 0 10
N
S
E
W

बिहार में आम के उत्पादन के आकड़े निम्नवत् है:

2017—18		2018—19		2019—20		2020—21	
क्षेत्रफल (हजार हे० में)	उत्पादन	क्षेत्रफल (हजार हे० में)	उत्पादन	क्षेत्रफल (हजार हे० में)	उत्पादन	क्षेत्रफल (हजार हे० में)	उत्पादन
153.45	1533.64	158.50	1577.43	160.07	1588.86	160.24	1549.97

स्त्रोत : बिहार आर्थिक सर्वेक्षण—2020—21 तथा 2021—22

वर्ष 2017—18 से 2020—21 तक आम के क्षेत्रफल तथा उत्पादन में वृद्धि अत्यन्त कमी है। अधिकांश क्षेत्रों में अधिक उत्पादन देने वाली कलमी प्रजातियों का रोपण किया जा रहा है। बिहार के बीजू आम की प्रजातियाँ, जो आम के मूल जीन फूल का निर्माण करती है, विलुप्त होती जा रही है। प्लाईवुड फैक्ट्रियो के लिए वीनियर तैयार करने के लिए बिहार में बीजू आम के वृक्षों को बड़े पैमाने पर काटकर वीनियर फैक्ट्रीज में भेजा जाना है। प्रस्तुत अध्ययन में बिहार के बीजू आम के क्षेत्रों में विस्तार तथा आम की प्रजातियों के ह्रास संबंधी सभी बिन्दुओं का अध्ययन प्रस्तावित ळें

ICAR-के National Research Centre on Litchi, Muzaffarpur के वैज्ञानिक श्री संजय कुमार सिंह द्वारा एवं अन्य वैज्ञानिकों के सहयोग से बिहार में बीजू आम के genetic diversity के समरूप विषय पर एक अध्ययन किया गया है। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा आम के genetic diversity या इसी तरह के विषय पर अन्य शोधपत्र भी प्रकाशित किए गये हैं। इनके कुछ शोध पत्रों की प्रति संचिका में अवलोकनार्थ रखी गयी है। इस विषय या इस से संबंधित विषय पर इस स्तर का अन्य किसी अध्ययन की जानकारी नहीं मिल पायी है। इस परिपेक्ष्य में ICAR – Central Institute of Subtropical Horticulture, लखनऊ के साथ MoU किया गया है। कार्य प्रगति पर है।

विगत वर्षों में बिहार राज्य के आम जनों में वृक्षों के प्रति जागरूकता में अधिवृद्धि हुई है। राज्य सरकार के जल–जीवन–हरियाली कार्यक्रम के अन्तर्गत बड़े पैमाने पर प्राकृतिक वनों, तथा प्राकृतिक वनों के बाहर काफी संख्या में वृक्ष लगाये गये हैं।

वर्त्तमान परिपेक्ष्य में यह स्पष्ट हो गया है कि वृक्षों के प्रत्यक्ष सानिध्य में ही हम स्वस्थ रूप से जीवित रह सकते हैं। इसके लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जा रहा है।

वृक्षों की सुरक्षा हमारे सुरक्षित जीवन के लिए अत्यावश्यक है। वृक्षों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वृक्षों के बारे में जानना आवश्यक है। वृक्षों से हमें प्राणवायु ऑक्सीजन प्राप्त होने के साथ, औषधि, भोज्य पदार्थ एवं मनोरंजन आदि प्राप्त होते हैं।

आम जनों, विशेष रूप से बच्चों में वृक्षों के बारे में वैज्ञानिक जानकारी यथा पत्तियों का विन्यास, फूलों की संरचना, वृक्षों की प्रजाति उनकी पहचान के तत्व, उनसे लाभ का ज्ञान होना आवश्यक है।

प्रत्येक वृक्ष की अलग–अलग विशेषताएँ होती है, उनके बारे में जानकारी होने पर उन वृक्षों में बच्चों की रूचि बढ़ेगी जो वृक्षों की सुरक्षा में सहायक होगा।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य पटना स्थित विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों में वृक्षों को पहचानने के तरीकों उनके जीवन चक्र तथा प्राकृतिक अधिवास के क्षेत्रों से अवगत कराना है, जिससे बच्चों में वृक्षों एवं अन्य जीवों का Observation करने की क्षमता का विकास होगा।

इस योजना में योजना का लक्ष्य समूह–राज्य के वर्ग 7 से 12 के बच्चे सम्मिलित होंगे जो वृक्ष विज्ञान को आसानी से समझ सकें।

योजना का उद्देश्य

(i) स्कूली बच्चो में वृक्षों के प्रति अभिरूचि का विकास करना।

(ii) छात्र–छात्राएं द्वारा अपने परिवेश के विभिन्न प्रजातियों के वृक्षों को पहचानना।

(iii) वृक्षों का पारिस्थितिकी तंत्र में महत्व तथा Ecosystem Services के संबंध में सामान्य परिचय।

(iv) यह योजना मुख्यतः पटना के विभिन्न विद्यालयो के छात्र–छात्राएं के लिए है।

(v) स्कूली छात्रों के अतिरिक्त यदि अन्य समूह, क्लब (Club) इत्यादि द्वारा रूचि प्रदर्शित की जायेगी, तो उनके लिए भी यह योजना प्रारम्भ की जा सकेगी।

(vi) योजना के लिए Pamphlet इत्यादि भी तैयार किये जायेंगे जो छात्र–छात्राएं को भ्रमण के दौरान दिये जायेंगे।

इस योजना के लिए Dr. Vibhishan Pandit (Sr. Lecturer (Retd.), Department of Botany, Science College) तथा विभाग के विभिन्न पदाधिकारी तथा सहकर्मी के मदद से एक किताम (वृक्षों को मित्र बनायें, A field guide to identify, Plants in nature) तैया किया गया है। जिसके मदद से विद्यार्थी को Plants को पहचानने में मदद मिलेगी।

वृक्षों
को मित्र बनायें

वस्तुतः पारिस्थितिकी तंत्र में प्रत्येक पौधे की अपनी अलग भूमिका होती है, जिनका Energy flow तथा Nutrient cycling में योगदान होता है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया है, जिसमें जैव विविधता पर भी ध्यान दिया गया है। मृदा की विशिष्टता पोषक तत्वों एवं जल/नमी की उपलब्धता को ध्यान रखते हुए अधिकाधिक प्रजातियों को मिश्रित वन रोपण में सम्मिलित किया गया है। जल छाजन विकास, मृदा एवं जल संरक्षण, ईको रेस्टोरेशन (Eco-Restoration) योजनाएं भी प्राकृतिक वनों की जैव विविधता अभिवृद्धि में सहायक हुयी है। फिर भी बहुत से ऐसे वृक्ष जो जैव विविधता की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है, किन्तु उन्हें न तो वन रोपण कार्यक्रमों के तहत् नहीं लगाये जाते हैं, और न ही आम जनों द्वारा अपनी भूमि या सार्वजनिक स्थलों पर लगाये जाते है या उन्हें बहुत ही सीमित संख्या में रोपित किया जाता है। आम जनों द्वारा बहुधा आर्थिक महत्व के genetically improved hybrid वृक्ष, जिनकी उत्पादकता अधिक होती है का ही रोपण किया जाता है। जैव विविधता के महत्व के ऐसे वृक्षों के रोपण द्वारा एक तरफ इन वृक्षों के wild gene pool की प्रतिरक्षा होगी वहीं ऐ ऐसी वृक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण इत्यादि से होने वाले कु प्रभाव का सामना करते हुए समस्थिति (Homeostasis) प्रदान करेंगे।

प्रजाति का चयन

इस योजना में प्रारम्भ में मुख्यतः वैसी प्रजातियों को लिया जायेगा जिनका रोपण प्रायः नहीं किया जाता है या अपेक्षाकृत कम संख्या में किया जाता है या wild variety के स्थान पर संकर प्रजातियों को लगाया जाता है। इनमें राज्य की स्थानीय प्रजातियों में से निम्न प्रजातियाँ प्रमुख हैः–

(i) फालसा (*Grewia asiatica*)

Family Malvaceae

यह बिहार की Native प्रजाति है। बौद्ध–भिक्षुको द्वारा इसके संरक्षण एवं प्रसार के दृष्टिकोण से विश्व के अनेक देशों में लगाया गया। बिहार में बहुत कम स्थलों पर यह मिलती है। इसके वृक्ष 8–10 मी० लम्बे होते हैं। मुख्यतः शुष्क स्थलों पर इसकी एक और प्रजाति Grewia celtidifolia है, जो मुख्यतः दक्षिणी चीन में मिलती है।

(ii) जामुन (*Syzygium cumini*)

Family Myrtaceae

यह भारत का देशज (*Indigenous*) वृक्ष है लेकिन अब यह बंगलादेश, नेपाल तथा पाकिस्तान में भी मिलता।

बिहार में इसकी अनेक प्रभेद (Variety) है कुछ शुष्क तथा कम वर्षा वाले वाले क्षेत्रों में उगती है, जबकि इसके कुछ प्रभेद (Variety) जल प्लावित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है।

(iii) बेल (*Aegle marmelos L . correa*)

Family Rutaceae

बेल भारतीय उप महादीप की देशज (Native) प्रजाति है। यह दो तितली की प्रजातियों (Swallowtail butterfly)–Lime butterfly (Papilio demoleus) तथा Common Mormon (Papilio polytes) को लाख के उत्पादन हेतु को भोजन प्रदान करता है।

बिहार में रोहतास, कैमूर, मुंगेर के वनों में Wild रूप से पाया जाता है।

(iv) आंवला (*Phyllanthus emblica lim or Emblica officinalis in Gaertn.*)

Family Phyllanthaceae

यह भारतीय उप महादीप का Native है। Middle east and south east के देशो में पाया जाता है। यह प्रायः Monoecious होते है तथा कमी कभी dioecious भी पाये जाते है। इनमे Pollination में Self incompatibility पायी जाती है। अतएव एक स्थल पर एक से अधिक पौधे अनिवार्य रूप से लगाए जाने चाहिए।

(v) नीम (*Azadirachta indica*)

Family Meliaceae

यह भारतीय उपमहाद्वीप का देशज (Native) वृक्ष है। यह एक प्रभावी Biopesticides है। इसकी Antifungal properties का Organic training बहुत उपयोगी होता है। आम लोगों द्वारा प्रायः इस वृक्ष को नहीं लगाया जाता है, जिसके कारण बिहार में इनकी संख्या काफी कम हो गयी है। इस वृक्ष के विकास में मिट्टी का क्षारीय होना इस पौधे के विकास के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण edaphic factor है। मृदीय कारण (Edaphic factor) Salient क्षारीय होना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इसका विकास क्षारीय (Alkaline) मृदा में प्रभावी होता है।

नर्सरी में लगाए जाने वाले पौधे निम्न :–

नीम का पौधा

अवला का पौधा

बरगद का पौधा

योजना का उद्देश्य

(i) चिन्हित प्रजाति के पौधों को कम से कम (Minimum 20 cm Collor girth and 4 mt height) तथा दो वर्षों का उगाया हुआ, होना, जिससे उनके रोपण में Tree guard की आवश्यकता न पड़े।

(ii) चयनित प्रजातियों के wild varieties की गुणवत्ता को, यथा सम्भव Stepwise selection method से बढ़ाना।

(iii) बड़े पौधों को विभिन्न पंचायतो की सार्वजनिक अथवा किसानो की भूमि पर लगाना तथा पौधों Survival को सुनिश्चित कराना।

(iv) Tree guard की आवश्यकता को समाप्त कर पौधारोपण के व्यय में कमी लाना।

इस योजना का कार्यान्यवयन विभिन्न वन प्रमण्डलो द्वारा किया गया है। वर्त्तमान में कार्यरत स्थायी पौधशालाओं को चिहिन्त कर प्रत्येक में 500 से 2000 पौधे उगाये गये है। इस योजना को मुख्य केन्द्र बिन्दु जैव विविधता महत्व की प्रजातियाँ होगा।

पौधशाला का निर्माण

इस योजना में पौधशाला तैयार करने का विशेष महत्व है। दो वर्ष में 4 मीटर लम्बे तथा 22 सेमी Collar girth के पौधे तैयार किये जायेंगे, जो एक वर्ष पुराने पौधे वन विभागीय स्थायी पौधशालाओं से लिए जायेंगे। इस कार्य के लिए में 70 cm x 77.5 cm साइज एवं 500 माइकोन गेज के पौलीथीन बैग प्रयुक्त किये जायेंगे। जिसमें करीब 4 cft मिट्टी, N-P-K उर्वरक (100 gm Urea, 50 gm SSP + 50 gm Muriate of potash) बायो फर्टीलाइजर, गोबर तथा पत्ती के खाद के साथ नीम की खली का प्रयोग किया जायेगा।

A Report on Visit to Nursery Under The Project "Plantation of species of biodiversity importance".

Araria Forest Division

Sr. No.	Name of Plant Species	No. of Plants	Av. Height (mtr.)	Av. Girth (cm)
1.	Neem(*Azadirachta indica*)	1232	1.7	7.02tra
2.	Beal(*Aegel marmelos*)	1299	1.3	8.4
3.	Jamun(*Syzygium cumini*)	1161	1.5	6.9
4.	Amla*(Phyllanthus emblica)*	1190	2.24	12
5.	Phalsa(*Grewia asiatica*)	138	2.7	6
Total Number Of Plants = 5020				

Darbhanga Forest Division

Sr. No.	Name of Plant Species	No. of Plants	Av. Height (mtr.)	Av. Girth (cm)
1.	Neem(*Azadirachta indica*)	1265	1.94	9
2.	Beal(*Aegel marmelos*)	1170	1.8	8.8
3.	Jamun(*Syzygium cumini*)	1340	1.7	8
4.	Amla *(Phyllanthus emblica)*	980	1.9	12
5.	Phalsa(*Grewia asiatica*)	245	1.02	5
Total no. of plants = 5005				

Munger Forest Division

Sr. No.	Name of Plant Species	No. of Plants	Av. Height (mtr.)	Av. Girth (cm)
1.	Neem(*Azadirachta indica*)	1418	2.98	10
2.	Beal(*Aegel marmelos*)	939	1.37	8.2
3.	Jamun(*Syzygium cumini*)	1484	1.82	9.9
4.	Amla *(Phyllanthus emblica)*	1494	3.09	16
Total Number Of Plants = 5335				

1. i.) Shivsagar Nursery:-

Sr. No.	Name of Plant Species	No. of Plants	Av. Height (mtr.)	Av. Girth (cm)
1.	Neem (*Azadirachta indica*)	417	2.50	9
2.	Bael (*Aegel marmelos*)	55	1.14	7
3.	Jamun (*Syzygium cumini*)	844	2.10	9
4.	Amla *(Phyllanthus emblica)*	844	3.06	14
5.	Phalsa *(Grewia asiatica)*	240	1.63	4.75
6.	Banyan *(Ficus benghalensis)*	120	2.88	13
Total Number of Plants = 2520				

ii.) Geetaghat Nursery: -

Sr. No.	Name of Plant Species	No. of Plants	Av. Height (m)	Av. Girth (cm)
1.	Neem (*Azadirachta indica*)	220	2.78	10
2.	Bael (*Aegel marmelos*)	0	0	0
3.	Jamun (*Syzygium cumini*)	552	2.05	9
4.	Amla *(Phyllanthus emblica)*	1311	3.0	14
5.	Phalsa (Grewia asiatica)	289	1.7	5
6.	Banyan (Ficus benghalensis)	136	2.88	14
Total Number of Plants = 2510				

पौधशालाओं में तैयार बड़े आकार के पौधों को रोपण विभिन्न पंचायतों में गठित जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा किया जायेगा एवं उसकी रक्षा भी उन्हीं के द्वारा की जायेगी। पौधशाला से पौधे प्राप्त कर उन्हें गंगा प्रहरियों की सहायता से सभी पंचायतों में पहुँचाया जायेगा।

बिहार राज्य जैव विविधता की दृष्टि से अत्यन्त समृद्ध है। अन्य राज्यों के विपरीत बिहार के विभिन्न जिलों में देशज प्रजाति की फसलों तथा अन्य जैविक उत्पाद की खेती का बड़े पैमाने पर की जा रही है। प्राकृतिक वन भी विभिन्न प्रकार की जैव विविधता को पोषित करते आ रहे है। बिहार की आर्द्रभूमि भी विभिन्न प्रजातियों को अनुकूल प्राकृतिक आवास प्रदान करती है।

इस योजना में बिहार की विभिन्न जैव विविधता यथा Ecological, Genetic and Species Diversity को संरक्षित करने के लिए रणनीति तैयार करना प्रस्तावित है। इस योजना में बिहार की जैव विविधता को संरक्षित तथा संवृद्ध करने के लिए कार्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जायेगा।

बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा शोधकर्ताओं की सहभागिता से राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा तथा विस्तृत विचारोपरांत Action plan तैयार किया जायेगा। अगले वितिय वर्ष में इस योजना का निष्पादन किया जायेगा।

P. JHA & ASSOCIATES

CHARTERED ACCOUNTANTS

BIHAR STATE BIODIVERSTY BOARD

5th Floor, Bihar State Building Construction Corporation Ltd. Complex
Hospital Road, Rajvansi Nagar, Patna-800023

INTERNAL AUDIT REPORT
FINANCIAL YEAR 2022-23

304, SHANTI COMPLEX
S.P. Verma Road, Patna - 800 001
Mobile : 9431014152, 7484843084
email-pjhaassociates@gmail.com

P. JHA & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

304, SHANTI COMPLEX
S. P. VERMA ROAD,
PATNA - 800 001
PHONE; 9431014152
EMAIL : pjhaassociates@gmail.com

INTERNAL AUDITORS' REPORT

To,

The Secretary,
Bihar State Biodiversity Board,
Patna - 800023.

We have conducted Internal Audit of the Books of Accounts and related document and vouchers of State Office of **Bihar State Biodiversity Board, Patna** for the year **01-04-2021 to 31-03-2022,** in terms of our appointment letter issued by The Secretary, **Bihar State Biodiversity Board, Patna.** These Books of Accounts and related document and vouchers are the responsibility of Management. Our responsibility is to express an opinion on the Books of Accounts and related document and vouchers based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with the auditing standards generally accepted in India. Those Standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the Books of Accounts and related document and vouchers are free from material misstatement. An audit includes examining, evidence supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our observations and suggest management as under:. The salient points of the scope covered by the internal audit are as follows:

1. The effectiveness of accounting system.
2. Compliance with the legal and statutory requirements.

P. JHA & ASSOCIATES PATNA CHARTERED ACCOUNTANTS

Moreover, our scope of examination also covered the requirements of the specific points as spelled out by the management of the Bihar State Biodiversity Board,

Patna. The result and recommendations of our internal audit are set out in scope and observations and suggest management as under:

1. During the year approval of expenses from the treasury office is required under these heads:
   a) Bank Charges Rs. 177.00 and
   b) Interest and late fee payment of GST Rs. 1,876.00.

For P. JHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
FRN- 007665C

(PUSHPODBHAV JHA)
Proprietor
Membership No. – 076393

UDIN – 22076393ARZOIX6869

Place: Patna
Date: 13th September 2022

BIHAR STATE BIODIVERSITY BOARD

5th Floor, Bihar State Building Construction Corporation Ltd. Complex

Shastri Nagar, Patna-800023

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2022

CAPITAL & LIABILITIES		AMOUNT
Income & Expenditure Account		
As per last Account	1,796,064.00	
Add : Excess of Income over Expenditure during the year	5,096,687.00	6,892,751.00
Income Tax Deduction at Source		
As per last Account	9,848.00	
Add : Deducted during the year	844,772.00	
	854,620.00	
Less : Deposited during the year	546,165.00	308,455.00
GST Deduction at Source		
As per last Account	10,320.00	
Add : Deducted during the year	164,348.00	
	174,668.00	
Less : Deposited during the year	151,822.00	22,846.00
Honorarium Payable to Agricalture Scientist		
As per last account	82,925.00	
Less : Paid during the year	82,925.00	-
PBR Expenses Payable NBA		
Addition during the year		10,040.00
Security Deposit from Roushan Enterprises		
Addition during the year		18,000.00
TOTAL		**7,252,092.00**

ASSETS & PROPERTIES		AMOUNT
Fixed Assets :		
Computer/Printer		
As per last account	409,400.00	409,400.00
Godrej Almirah		
As per last account		289,855.00
Furniture & Fixtures		
As per last account	49,998.00	
Addition during the year	630,040.00	680,038.00
Computer Accessories/GIS Software & Workstation		
Addition during the year		2,600,908.00
Current Assets Loans & Advances :		
Expenses Pending Approval		2,053.00
Closing Balance :		
Bihar Treasury - Salary	-	
Bihar Treasury - Non Salary	-	-
State Bank of India Current Account No. 38317412256		
NBA Balance	2,922,590.00	
Other than NBA Balance	347,248.50	3,269,838.50
Cash in Hand		
NBA Balance	-	
Other than NBA Balance	(0.50)	(0.50)
TOTAL		**7,252,092.00**

As per our report of even date

For P. JHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
FRN 07665C

P. JHA & ASSOCIATES * PATNA * CHARTERED ACCOUNTANTS

[PUSHPODBHAV JHA]
Proprietor
Membership No. 076393
UDIN – 22076393ARZOIX6869

SECRETARY CHAIRMAN
BIHAR STATE BIODIVERSITY BOARD

Place : Patna
Date : 13th September 2022

BIHAR STATE BIODIVERSITY BOARD

5th Floor, Bihar State Building Construction Corporation Ltd. Complex

Shastri Nagar, Patna-800023

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31ST MARCH, 2022

RECEIPTS		AMOUNT	PAYMENTS		AMOUNT
To **Expenses under the Head Salary**			By **Grant in Aid Received**		
Salary		8,044,955.00	From PCCF HOFF		
			Under Head Salary		8,500,000.00
" **Expenses under the Head Non Salary**			Under Head Other than Salary		26,000,000.00
As per Schedule : 1		18,228,249.00			
" **Expenses under the Head National Biodiversity Authority (NBA)**			" From National Biodiversity Authority		
			(Vide Letter No. - NBA/Tech Appl/9/3542/21-22/2221 Dated		
As per Schedule : 2		1,046,811.00	07.09.2021		17,550.00
" **Surrender of Grant in Aid**			Vide Letter No.:		
Surrender of Grant in Aid			F.N. 16/30/2020/4498 Dated 22.03.2022	1,000,000.00	
Under Head Salary	455,045.00		F.N. 16/30/2020/4499 Dated 22.03.2022	895,000.00	
Under Head Other than Salary	4,540,803.00	4,995,848.00	F.N. 16/30/2020/4499 Dated 22.03.2022	1,000,000.00	2,895,000.00
" Excess of Income over Expenditure					
Transferred to Balance Sheet		5,096,687.00			
TOTAL		**37,412,550.00**	**TOTAL**		**37,412,550.00**

As per our report of even date

For P. JHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
FRN 07665C

P. JHA & ASSOCIATES * PATNA * CHARTERED ACCOUNTANTS *

SECRETARY

BIHAR STATE BIODIVERSITY BOARD

CHAIRMAN

[PUSHPODBHAV JHA]
Proprietor
Membership No. 076393
UDIN – 22076393ARZOIX6869

Place : Patna
Date : 13th September 2022

BIHAR STATE BIODIVERSITY BOARD

5th Floor, Bihar State Building Construction Corporation Ltd. Complex

Shastri Nagar, Patna-800023

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31ST MARCH, 2022

	RECEIPTS		AMOUNT
To	**Opening Balance :**		
	Bihar Treasury - Salary	-	
	Bihar Treasury - Non Salary	-	-
	State Bank of India Current Account No. 38317412256		
	NBA Balance	1,129,409.00	
	Other than NBA Balance	0.50	1,129,409.50
	Cash in Hand		
	NBA Balance	20,495.00	
	Other than NBA Balance	(0.50)	20,494.50
"	**Grant in Aid Received**		
	From PCCF HOFF		
	Under The Head Salary		8,500,000.00
	Under The Head Otherthan Salary		26,000,000.00
	From National Biodiversity Authority		
	Vide Letter No.:		
	NBA/Tech Appl/9/3542/21-22/2221 Dated 07.09.2021		17,550.00
	F.N. 16/30/2020/4498 Dated 22.03.2022	1,000,000.00	
	F.N. 16/30/2020/4499 Dated 22.03.2022	895,000.00	
	F.N. 16/30/2020/4499 Dated 22.03.2022	1,000,000.00	2,895,000.00
"	**Income Tax Deduction at Source**		
	From Salary	668,193.00	
	From Professionals	11,781.00	
	From Suppliers	164,798.00	844,772.00
"	**GST Deduction at Source**		
	IGST	41,616.00	
	CGST	61,366.00	
	SGST	61,366.00	164,348.00
"	PBR Expenses Payable NBA		10,040.00
"	Security Deposit from Roushan Enterprises		18,000.00
		TOTAL	**39,599,614.00**

	PAYMENTS		AMOUNT
By	**Expenses under the Head Salary**		
	Salary		8,044,955.00
"	**Expenses under the Head Non Salary**		
	As per Schedule : 1		18,228,249.00
"	**Expenses under the Head National Biodiversity Authority (NBA)**		1,046,811.00
	As per Schedule : 2		
"	**Deposit of Income Tax Deduction at Source**		
	From Salary	383,055.00	
	From Professionals	11,781.00	
	From Suppliers	151,329.00	546,165.00
"	**Outstanding Honorarium to Agricalture Scientist Paid**		82,925.00
	Deposit of GST Deduction at Source		
	IGST	37,696.00	
	CGST	57,063.00	
	SGST	57,063.00	151,822.00
"	**Surrender of Grant in Aid**		
	Under Head Salary	455,045.00	
	Under Head Other than Salary	4,540,803.00	4,995,848.00
"	**Purchase of Furniture**		630,040.00
"	**Purchase of Computer Accessories/GIS Software & Workstation**		2,600,908.00
"	**Expenses Pending Approval**		
	Interest & Late Fee Payment of GST	1,876.00	
	Bank Charges	177.00	2,053.00
"	**Closing Balance :**		
	Bihar Treasury - Salary	-	
	Bihar Treasury - Non Salary	-	-
	State Bank of India Current Account No. 38317412256		
	NBA Balance	2,922,590.00	
	Other than NBA Balance	347,248.50	3,269,838.50
	Cash in Hand		
	NBA Balance	-	
	Other than NBA Balance	(0.50)	(0.50)
		TOTAL	**39,599,614.00**

As per our report of even date

For P. JHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
FRN 07665C

P. JHA & ASSOCIATES * CHARTERED ACCOUNTANTS * PATNA

[PUSHPODBHAV JHA]
Proprietor
Membership No. 076393
UDIN – 22076393ARZOIX6869

SECRETARY

BIHAR STATE BIODIVERSITY BOARD

CHAIRMAN

Place : Patna
Date : 13th September 2022

BIHAR STATE BIODIVERSITY BOARD
5th Floor, Bihar State Building Construction Corporation Ltd. Complex
Shastri Nagar, Patna-800023

Schedule forming Part Financial Statement

Expenses under the Head Non Salary	**SCHEDULE : 1**
Rent, Rates & Taxes	2,321,824.00
Office Expenses	393,321.00
Payment of Vehicles	1,516,222.00
Electricity	128,413.00
Telephone/Mobile/Internet Charges	183,637.00
Legal Services & Payment to Auditor	139,630.00
Oursourcing for Watch & Ward / Cleanliness	157,340.00
Report Publication & Pamphlet etc.	156,555.00
Conservation & Survey of Heritage Tree	69,974.00
Travelling Allowances	12,319.00
Repairs & Maintenance	62,699.00
World Biodiversity Day Celebration	223,420.00
Biodiversity Management Committee (BMC) Formation	518,300.00
People's Biodiversity Register (PBR) Expenses	4,813,659.00
Plantation of Species of Biodiversity Importance	7,530,936.00
Total	**18,228,249.00**

Expenses under the Head National Biodiversity Authority (NBA)	**SCHEDULE : 2**
Preparation of PBRs	1,046,811.00
Total	**1,046,811.00**

P. JHA & ASSOCIATES * CHARTERED ACCOUNTANTS * PATNA

BIHAR STATE BIODIVERSITY BOARD
5th Floor, Bihar State Building Construction Corporation Ltd. Complex
Shastri Nagar, Patna-800023

Bank Reconcilation Statement as on 31.03.2022

Balance as per Book in State Bank of India Current Account No. 38317412256 as on 31.03.2022	3,269,838.50
Add : Cheque No. 6092067 isuued on 31st March 2022 to Mr. P Jha for Reimbursement of Expenses not cleared upto 31st March 2022	14,500.00
Balance as per Statement in State Bank of India Current Account No. 38317412256 as on 31.03.2022	3,284,338.50

P. JHA & ASSOCIATES * CHARTERED ACCOUNTANTS * PATNA

STATEMENT OF STATE BANK OF INDIA BALANCE CONSISTS OF NBA AND OTHER THAN NBA FUND AND REASON OF DIFFERENCE AS ON 31.03.2022

PARTICULARS		TOTALOF FUND IN SBI ACCOUNT	NBA FUND	OTHERTHAN NBA FUND
Balance as on 31.03.2021	A	1,129,409.50	1,109,241.00	20,168.50
Less :				
Payment of NBA Expenses during FY 2021-22	B	(1,016,276.00)	(1,016,276.00)	-
Payment of NBA Dues as on 31.03.2021 during FY 2021-22	C	(82,925.00)	(82,925.00)	
Payment of GST and Income Tax TDS dues of March 2021 paid on 26.04.2021 out of closing balance as on 31.03.2021	D	(5,683.00)		(5,683.00)
BALANCE AFTER ABOVE PAYMENTS	E	24,525.50	10,040.00	14,485.50

This balance of Rs. 14485/- consist of following GST and TDS_Income Tax deducted given below not paid till 31.03.2022

Dues as on 31.03.2022 for the FY 2020-21	
SGST	2,020.00
CGST	2,020.00
IGST	3,276.00
TDS_Income Tax Payable	
Code 94C For Suppliers	7,169.00
	14,485.00

P. JHA & ASSOCIATES * CHARTERED ACCOUNTANTS * PATNA

WHILE CONFIRMING CLOSING BALANCE AS PER SBI BALANCE ONLY DUES AS ON 31.03.2022 CONSIDERED **AS**
GRANT IN AID FROM TREASURY IS MATCHING WITH EXPENSES

NBA FUND RECEIVED DURING FY 2021-22						
On 21.09.2021			F	17,550.00	17,550.00	
On 22.03.2022			G	2,895,000.00	2,895,000.00	
DUES AS ON 31.03.2022 OF RS.3,59,339/- FOR THE FY 2021-22			H	359,339.00	10,040.00	349,299.00
Dues as on 31.03.2022 for the FY 2020-21						
SGST	2,020.00					
CGST	2,020.00					
IGST	3,276.00					
TDS Income Tax Payable						
Code 94C For Suppliers	7,169.00	14,485.00				
GST Payable for the FY 2021-22						
SGST Paid on 05.04.2022	5,121.00					
CGST Paid on 05.04.2022	5,121.00					
IGST Paid on 05.04.2022	5,286.00	15,528.00				
TDS Income Tax Payable						
Code 94C For Suppliers Paid on 05.04.2022		16,148.00				
Code 94A For Salary						
Sri D K Shukla (Oct 2021) Paid on 12.07.2022	15,000.00					
Sri R B Singh (Oct 2021) Paid on 12.07.2022	9,000.00					
Sri Mihir Kumar Jha (Oct 2021) Paid on 12.07.2022	5,000.00					
Sri D K Shukla (Jan 2022) Paid on 29.06.2022	92,138.00					
Sri D K Shukla (Feb 2022) Paid on 05.04.2022	140,000.00					
Sri D K Shukla (Feb 2022) Paid on 05.04.2022	15,000.00					
Sri R B Singh (Feb 2022) Paid on 05.04.2022	9,000.00	285,138.00				
PBR Expenses Payable		10,040.00				
Security Deposit from Roushan Enterprises (Received on 13.08.2021)		18,000.00				
TOTAL OF DUES AS ON 31.03.2022 FOR THE FY 2021-22		359,339.00				
The Balance should be in SBI on 31.03.2022			I			
[I=F+G+H]				3,271,889.00		
[I=F+G+H]					2,922,590.00	
[I=H]						349,299.00
The actual balance in SBI on 31.03.2022			J	3,269,838.50	2,922,590.00	347,248.50
Difference in SBI Balance on 31.03.2022 (Giving Lower Balance) **[K=I-J]**			K	2,050.50	-	2,050.50
Reason of Difference in "K" pointed out above is:			*K*	*2,050.50*	*-*	*2,050.50*
Late fee of GST paid on 18.12.2021 not get passed by Treasury so not remitted to SBI but payment was made from SBI Account.			*L*	*1876*		*1876*
Challan for Rs. 6152 of GST paid on 18.12.2021 consists of:						
Tax (CGST & SGST) [Passed from treasury]		***4276***				
Interest (CGST & SGST) [Not passed from treasury]		*76*				
[Later in the FY 2022-23 passed from Treasury on 29.09.2022]						
Fee (CGST & SGST) [Not passed from treasury]		*1800*				
[Later in the FY 2022-23 passed from Treasury on 29.09.2022]						
Not passed from treasury		***1876***				
Bank Charges debited by SBI on 03.02.2022 not passed by Treasury so it is desirable to get it passed and remit Rs. 177/- to SBI Account. ***[Later in the FY 2022-23 passed from Treasury on 29.09.2022]***			*M*	*177*		*177*
Round off Rs. 2/- [Value of GST collected Rs. 15814/- and GST paid Rs. 15812/- for the month of February 2022 on 05.04.2022]			*N*	*-2*		*-2*
TOTAL [O=L+M+N]				***2051***	***0***	***2051***

Concept, Design & Content of Annual Report Prepared by

(i) Dr. K. Ganeshan
Secratary
Bihar State Biodiversity Boad, Patna

(ii) Bhawesh Kumar
GIS & RS Officer
Bihar State Biodiversity Boad, Patna

(iii) Nishant Raj
Programmer
Bihar State Biodiversity Boad, Patna

P. JHA & ASSOCIATES PATNA CHARTERED ACCOUNTANTS

Seemanchal Sheep

बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद्

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

www.bsbb.bihar.gov.in

Printed by- INDIA Printers, Cinema Road, Hajipur